



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 11, 1976 (भाद्रपद 20, 1898)
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 11, 1976 (BHADRA 20, 1898)

इस भाग में बिम्ब पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

| | | | |
|---|--------------|---|---------------|
| भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं | पृष्ठ 641 | जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) | पृष्ठ 2213 |
| भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं | 1503 | भाग II—खंड 3—उपखंड (ii) —(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं | 2783 |
| भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं | — | भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि-सूचित विधिक नियम और आदेश | 323 |
| भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं | 1243 | भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं | 7897 |
| भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम | — | भाग III—खंड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस | 749 |
| भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें | — | भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं | — |
| भाग II—खंड 3—उपखंड (i) —(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और | — | भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि-सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं | 1707 |
| | | भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस | 149 |

CONTENTS

| | | | |
|---|-------------|--|--------------|
| PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | PAGE 641 | (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. | PAGE 2213 |
| PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | 1503 | PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. | 2783 |
| PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence | — | PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. | 323 |
| PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence | 1243 | PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. | 7897 |
| PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations | — | PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. | 749 |
| PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills | — | PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners | — |
| PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India | | PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies | 170 |
| | | PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies | 149 |

भाग I—खण्ड 1 PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 75-प्रेज/76—राष्ट्रपति सहर्ष निर्वेश देते हैं कि 7 अक्टूबर, 1974 की अधिसूचना सं० 101-प्रेज/74, के अधीन 19 अक्टूबर, 1974 के भारतीय राजपत्र के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित “राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक President's Home Guards & Civil Defence Medal” और “गृह रक्षक व Home Guards & Civil Defence Medal” नागरिक सुरक्षा पदक के नियमों में निम्नलिखित संशोधन तत्काल किये जायें :—

1. “राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक President's Home Guards and Civil Defence Medal”

नियम (5) के अन्तर्गत “आर्थिक अनुदान उसकी विधवा को देय होगा (प्रथम विवाहिता पत्नी को इस सम्बन्ध में वरीयता होगी)” के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाये :

मरणोपरांत दिये जाने वाले पुरस्कार की स्थिति में यह आर्थिक अनुदान प्राप्तकर्ता यदि अविवाहित हो, तो उसके पिता या माता को, और यदि विधुर हो तो उसके 18 वर्ष से कम आयु के पुत्र अथवा अविवाहित पुत्री, जैसी भी स्थिति हो, को देय होगा।

2. “गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक Home Guards & Civil Defence Medal”.

नियम (5) के अन्तर्गत “आर्थिक अनुदान उसकी विधवा को देय होगा (प्रथम विवाहिता पत्नी को इस सम्बन्ध में वरीयता होगी)” के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाये :

मरणोपरांत दिये जाने वाले पुरस्कार की स्थिति में यह आर्थिक अनुदान प्राप्तकर्ता यदि अविवाहित हो, तो उसके पिता या माता को, और यदि विधुर हो तो उसके 18 वर्ष से कम आयु के पुत्र अथवा अविवाहित पुत्री, जैसी स्थिति हो, को देय होगा।

सं० 76-प्रेज/75—राष्ट्रपति सहर्ष निदेश देते हैं कि 19 मई, 1975 की अधिसूचना संख्या 41-प्रेज/75, के अधीन 31 मई, 1975 के भारतीय राजपत्र के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित “राष्ट्रपति

का अग्निशमन सेवा पदक President's Fire Services Medal” और “अग्निशमन सेवा पदक Fire Services Medal” के नियमों में निम्नलिखित संशोधन तत्काल किये जायें :—

1. “राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक President's Fire Services Medal”.

नियम (5) के अधीन निम्नलिखित उपनियम (ङ) जोड़ा जाये :—

(ङ) मरणोपरांत दिये जाने वाले पुरस्कार की स्थिति में यह भत्ता, प्राप्तकर्ता यदि अविवाहित हो, तो उसके पिता या माता को, और यदि विधुर हो तो उसके 18 वर्ष से कम आयु के पुत्र अथवा अविवाहित पुत्री जैसी भी स्थिति हो, को उस कार्य की तारीख से देय होगा जिसके लिये पुरस्कार प्रदान किया गया है।

2. “अग्निशमन सेवा पदक Fire Services Medal”.

नियम (5) के अधीन निम्नलिखित उपनियम (ग) जोड़ा जाये :—

(ग) मरणोपरांत दिये जाने वाले पुरस्कार की स्थिति में यह भत्ता, प्राप्तकर्ता यदि अविवाहित हो, तो उसके पिता या माता को, और यदि विधुर हो तो उसके 18 वर्ष से कम आयु के पुत्र अथवा अविवाहित पुत्री, जैसी भी स्थिति हो, को उस कार्य की तारीख से देय होगा जिसके लिये पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सं० 77-प्रेज/75—दिनांक 1 फरवरी, 1975 के भारतीय राजपत्र के भाग I, खंड 1 में पृष्ठ 38 पर प्रकाशित राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 8-प्रेज/75, दिनांक 26 जनवरी, 1975 में श्री रमण कलियापन, पुलिस अधीक्षक तथा उप-आयुक्त पुलिस मुख्यालय, मद्रास शहर, तमिल नाडु को सराहनीय सेवाओं के लिये प्रदत्त पुलिस पदक को पुलिस पदक से सम्बन्धित नियमों के नियम 8 के अन्तर्गत रद्द किया जाता है और पदक ज्वत् किया जाता है।

सु० नीलकण्ठन्,
राष्ट्रपति के उप सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 अगस्त 1976

सं० 13019/3/76-जी० पी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सदस्यों को चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र से सम्बद्ध गृह मंत्री की सलाहकार समिति के लिए, वर्ष 1976-77 के लिए, मनोनीत करते हैं :—

पदेन सदस्य

- (1) श्री टी० एन० चतुर्वेदी, मुख्य आयुक्त, चंडीगढ़ प्रशासन, चंडीगढ़।
- (2) श्री ए० एन० विद्यालंकार, संसद सदस्य।
- (3) डा० आर० सी० पाल, कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।

गैर-सरकारी सदस्य

- (1) श्री भोपाल सिंह, अध्यक्ष, प्रादेशिक कांग्रेस समिति, चंडीगढ़।
- (2) श्री पी० एल० वर्मा, सेवा-निवृत्त मुख्य इंजीनियर, कैपिटल प्रोजेक्ट, चंडीगढ़।
- (3) सरदार दिलजंग सिंह जीहर, सेवा-निवृत्त उप सचिव (पंजाब विधान सभा), चंडीगढ़।
- (4) श्रीमती कान्ता सरूप कृष्ण।
- (5) श्री दौलत राम शर्मा।

ऋषि देव कपूर, उप सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

सं० 4(1)/73-ई० पी० जैड०—केन्द्रीय सरकार वाणिज्य मंत्रालय में अपर सचिव श्री पी० के० कौल को श्री आर० तिरुमलाई के स्थान पर सान्ताक्रुज निर्यात प्रोसेसिंग जोन बोर्ड के अध्यक्ष के पद पर एतद्वारा नियुक्त करती है तथा भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 16(2)/73-टी० ए० ई० पी० दिनांक 20-1-73 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 1 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“1. श्री पी० के० कौल,
अपर सचिव,
वाणिज्य मंत्रालय”

सं० 4(1)/76-ई० पी० जैड०—केन्द्रीय सरकार वाणिज्य मंत्रालय में अपर सचिव श्री पी० के० कौल को श्री आर० तिरुमलाई के स्थान पर सान्ताक्रुज निर्यात प्रोसेसिंग जोन प्राधिकरण के एक सदस्य के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है तथा भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 4(1)/73-ई० पी० जैड० दिनांक 15 फरवरी, 1973 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या (8) के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी अर्थात् :—

“(8) श्री पी० के० कौल,
अपर सचिव,
वाणिज्य मंत्रालय”

यू० आर० कर्लेकर, उप-निदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

भूवैज्ञानिक परीक्षा, 1977

नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1976

सं० ए०-12025/6/76-खान-2-निम्नलिखित पदों की भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1977 में ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के लिए नियमावली, कृषि व सिंचाई मंत्रालय की सहमति से आम सूचना के लिए प्रकाशित की जा रही है :—

वर्ग—I (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय में पद)

- (i) भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ), ग्रुप ए; और
- (ii) सहायक भूवैज्ञानिक, ग्रुप बी

वर्ग—II (केन्द्रीय भूजल बोर्ड, कृषि और सिंचाई मंत्रालय में पद)

- (i) कनिष्ठ भू-जल वैज्ञानिक, ग्रुप ए
- (ii) सहायक भू-जल वैज्ञानिक, ग्रुप बी

1. उम्मीदवार ऊपर लिखे किसी एक या दोनों वर्गों की प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। आवेदक को चाहिए कि वह अपने आवेदन पत्र में, उन पदों का स्पष्ट उल्लेख करे जिनके बारे में वह प्राथमिकता के आधार पर विचार किए जाने का इच्छुक है।

उपर्युक्त वर्ग/वर्गों में उल्लिखित जिन पदों के लिए उम्मीदवार प्रतियोगिता में भाग ले रहा है उनके लिए उसके द्वारा व्यक्त प्राथमिकता में परिवर्तन के अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक इस प्रकार के परिवर्तन का अनुरोध 31 अगस्त, 1977 को अथवा इससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

2. शुरू में परीक्षा के परिणाम पर नियुक्तियां अस्थाई आधार पर की जाएंगी, उम्मीदवार अपनी बारी से स्थायी रिक्ति होने पर स्थायी नियुक्ति पाने के हकदार होंगे।

3. परीक्षा परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी परीक्षा नोटिस में दी जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पदों का आरक्षण सरकार द्वारा नियत संख्या के अनुसार किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों से तात्पर्य ऐसी उन जातियों से है जिनका उल्लेख सविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, सविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश 1950, सविधान (अनुसूचित जाति) (केन्द्र शासित प्रदेश) आदेश 1951, सविधान (अनुसूचित जनजाति) (केन्द्र शासित प्रदेश) आदेश 1951 में किया गया है और जिनका अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सूची (संशोधन) आदेश 1956, वन्दर् मायता अधिनियम 1960, पञ्जाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 तथा उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971, सविधान (जम्मू व काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956, सविधान, (अडमान निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश 1959, सविधान (दादर व नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश 1962 सविधान (दादर व नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश 1962, सविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964, सविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967, सविधान (गोआ दमन व दिव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 सविधान (गोआ दमन दिव) अनुसूचित जनजाति आदेश 1968 तथा सविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970 द्वारा संशोधन किया गया है।

4 परीक्षा सघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस नियमावली के परिशिष्ट-I में निर्धारित ढग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीखों और स्थानों का निश्चय आयोग द्वारा किया जाएगा।

5 उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या

(ङ) भारत का मूल निवासी हो और भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्व अफ्रीकी देशों कीनिया, उगांडा, संयुक्तगणराज्य, तजानिया अथवा जाम्बिया मलावी, जैरे, इथोपिया में आया हो।

परन्तु ऊपर (ख) (ग) (घ) व (ङ) श्रेणियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पाम भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता प्रमाण पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवार को, जिसके लिए पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो, भी परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और उसे अंतिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है बशर्ते कि उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा हो।

6. (क) इस परीक्षा के लिए उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1977 को 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए तथा 30 से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1947 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित वर्गों के उन सरकारी कर्मचारियों को 4 वर्ष की छूट दी जाएगी जो नीचे कालम में उल्लिखित विभाग में काम करते हों और कालम II में वर्णित तत्संबधी पद (पदों) के लिए आवेदन करे।

(1) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग विशेष में स्थायी पद पर स्थायी हो।

(II) वह उम्मीदवार, जो 1 जनवरी, 1977 को कम से कम 3 वर्ष से लगातार किसी विशेष विभाग में नियमित आधार पर अस्थायी रूप से काम कर रहा हो।

तीन वर्ष की लगातार सेवा की गणना के लिए भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण संस्था तथा केन्द्रीय भूजल बोर्ड दोनों में की गई सेवा को शामिल किया जाएगा बशर्ते कि सेवा में किसी प्रकार का व्यवधान न हुआ हो।

कालम I

कालम II

भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण संस्था
केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

भूवैज्ञानिक कनिष्ठ ग्रुप ए
सहायक भूवैज्ञानिक ग्रुप बी
कनिष्ठ भ-जल वैज्ञानिक,
ग्रुप ए
सहायक भू-वैज्ञानिक ग्रुप बी

(6) (ग) निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में नीचे लिखी छूट दी जा सकती है —

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है तो अधिक से अधिक पांच वर्ष की छूट।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 26 मार्च, 1971 से पहले उसने भारत में प्रव्रजन किया है तो अधिक से अधिक तीन वर्ष की छूट।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जिसने 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 26 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रव्रजन किया है तो उसे अधिक से अधिक आठ वर्ष की छूट।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से प्रत्यावर्तित भारत का वास्तविक मूल निवासी है और उसने अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष की छूट।

(v) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से प्रत्यावर्तित भारत का वास्तविक मूल निवासी है और उसने अक्टूबर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया है और वह अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का भी हो जो उसे अधिक से अधिक आठ वर्ष की छूट।

- (vi) यदि उम्मीदवार भारत का मूल निवासी है और उसने केन्या, यूगाण्डा और तन्जानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो अथवा जाम्बिया, मलावी, ज़ेरे या इथोपिया से प्रत्यावर्तित भारत का मूल निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष की छूट ।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से प्रत्यावर्तित भारत का वास्तविक मूल निवासी है और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष की छूट ।
- (viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और वह बर्मा से प्रत्यावर्तित भारत का वास्तविक निवासी भी है और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष की छूट ।
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक, जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।
- (x) रक्षा सेवा के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक, जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं ।
- (xi) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के लिए अधिकतम तीन वर्ष तक, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए; तथा
- (xii) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के लिए अधिकतम आठ वर्ष तक, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए तथा जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हैं ।

ऊपर बताई गई स्थितियों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु-सीमाओं में छूट नहीं दी जा सकती ।

ध्यान दें :—(i) यदि कोई व्यक्ति ऊपर दिए गए नियम 6(ख) में वर्णित आयु को रियायत के अधीन परीक्षा में बैठने की अनुमति पाता है तो उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द की जा सकती है यदि वह आवेदन-पत्र देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या परीक्षा देने के बाद अथवा उससे पहले उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं । लेकिन यदि अपना आवेदन-पत्र देने के बाद उसको पद से या सेवा से उसकी छुट्टी कर दी जाती है तब उस स्थिति में उसकी उम्मीदवारी रद्द नहीं की जाएगी ।

- (ii) यदि कोई उम्मीदवार अपने विभाग को आवेदन-पत्र देने के बाद किसी अन्य विभाग या कार्यालय में स्थानान्तरित हो जाता है तो वह विभागीय आयु छूट के अधीन इस पद/इन पदों के लिए प्रतियोगी हो सकता है जिसके लिए वह स्थानान्तरण न होने पर प्रतियोगी होता; बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसका मूल विभाग द्वारा विधिवत् अनुशंसा के साथ अप्रेसित किया गया हो ।

7. उम्मीदवार के पास निम्नलिखित योग्यता होनी चाहिए :—

- (क) भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा नियमित विश्वविद्यालय से या संसद् के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी अन्य शैक्षिक संस्था से या विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के समकक्ष घोषित किसी संस्था से भूविज्ञान में मास्टर्स डिग्री; अथवा
- (ख) भारतीय खान स्कूल, धनबाद से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एसोसिएटशिप का डिप्लोमा ।

नोट-1 :—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसे पास कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे उस परीक्षा-परिणाम की सूचना प्राप्त नहीं हुई है, तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । यदि कोई उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो तो वह भी आवेदन कर सकता है । इस प्रकार के उम्मीदवार को यदि वह अन्य शर्तें पूरी करता हो तो, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा किन्तु परीक्षा में बैठने की वह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि उम्मीदवार अर्हक परीक्षा में पास होने का प्रमाण-पत्र जल्दी और हर हालत में 30 जुलाई, 1977 तक प्रस्तुत नहीं करता तो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा ।

नोट-2 :—आपवादित मामलों में, यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम में निर्धारित कोई योग्यता नहीं है तो आयोग उस उम्मीदवार को शैक्षणिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसने ऐसी अन्य संस्थाओं द्वारा ली जाने वाली परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों जिनका स्तर आयोग की राय में इस परीक्षा में बैठने के लिए उपयुक्त हो ।

नोट-3 :—जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री किसी विदेशी विश्वविद्यालय से ली हो, और जो अन्य शर्तें पूरी करते हों वे भी आयोग को आवेदन-पत्र भेज सकते हैं और आयोग यदि उचित समझे तो उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति दे सकता है ।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के अनुबन्ध-1 में निर्धारित शुल्क देना होगा ।

9. ऐसे सभी उम्मीदवारों को, जो सरकारी सेवा में स्थायी या अस्थायी अथवा वर्कचार्ज कर्मचारी हैं, (आकस्मिक और दैनिक उजरत वाले कर्मचारियों को छोड़कर), आयोग के नोटिस के अनुबन्ध-II के पैरा 2 में लिखे अनुदेशों के अनुसार अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर प्रस्तुत करना होगा ।

10. परीक्षा में प्रवेश के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को आयोग से प्राप्त प्रवेश-प्रमाण पत्र के बिना परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

12. यदि किसी उम्मीदवार को निम्नलिखित में से किसी बात के लिए आयोग द्वारा दोषी ठहराया गया हो :—

- (i) किसी जरिए से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी दूसरे व्यक्ति की जगह परीक्षा देना; या
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति का नाम धारण करना; या
- (iv) जाली प्रमाण पत्र आदि पेश करना; या प्रमाण पत्रों आदि में फेरबदल करना; या
- (v) गलत या झूठे विवरण देना अथवा कोई महत्वपूर्ण जानकारी छिपाना, या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता बरतना या अनुचित उपाय अपनाना, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में नकल आदि करना, या
- (viii) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना, या
- (ix) पूर्ववर्ती धाराओं में उल्लिखित किसी या सभी व्रजित काम करने का प्रयास करना अथवा आयोग को उत्तेजित करना;

तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के अलावा उसे—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के लिए अनर्ह घोषित किया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है; अथवा
- (ख) उसे सर्वैष के लिए या किसी नियत अवधि के लिए—
 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रत्येक परीक्षा या चयन से आयोग तथा
 - (ii) सरकार के अधीन किसी भी रोजगार के लिए केन्द्र सरकार अपात्र घोषित कर सकती है; तथा
- (ग) यदि वह पहले से ही सरकारी सेवा में है तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके खिलाफ अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त कर लेता है, उसे आयोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षा के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग की राय में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर इन समुदायों से व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए पर्याप्त संख्या में उम्मीदवारों का बुलाए जाने की संभावना नहीं है तो आयोग उक्त समुदायों से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में निर्धारित स्तर में छूट देकर उन्हें साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम में उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली आरक्षित रिक्तियों पर भर्ती के लिए योग्यताक्रम के अनुसार ऐसे उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए अनुरोध करेगा जो, परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए नियत पदों को, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या की सीमा तक सामान्य स्तर के आधार पर, नहीं भरा जा सकता है तो आयोग आरक्षित कोटे में कमी को पूरा करने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर नियुक्ति के लिए उनके नामों की अनुशंसा करेगा बशर्ते कि परीक्षा में योग्यताक्रम के स्थान के अतिरिक्त वे इस सेवा में नियुक्ति के लिए योग्य हों।

15. उम्मीदवारों को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्तियां करते समय विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र में व्यक्त प्रार्थमिकता का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा।

17. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने से ही किसी उम्मीदवार को तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक कि सरकार समुचित जांच-पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि चरित्र और पूर्ववृत्तियों को देखते हुए वह उम्मीदवार हर प्रकार से पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह अपने पद से कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि 'यथा स्थिति', सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित चिकित्सा परीक्षा के बाद उम्मीदवार के बारे में यह पता लगे कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता तो उसकी नियुक्ति की संभावना है केवल उन्हीं की शारीरिक परीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य परीक्षा के समय उम्मीदवार को सम्बन्धित चिकित्सा बोर्ड को 16 रु० फीस देनी होगी।

नोट.—बाद में निराश न होता पड़े, इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि ये परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले। राजपत्रित पदों पर नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा होगी और उसके लिए जिस स्वास्थ्य का स्तर होता आवश्यक है उसका ब्यौरा परिशिष्ट-II में दिया गया है। रक्षा सेवा में अर्पण हुए भूतपूर्व कर्मियों तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान फौजी कार्रवाई में अर्पण हुए और परिणाम स्वरूप निर्युक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों को, पदों की अपेक्षाओं के अनुरूप स्तर में छूट दी जाएगी।

19. कोई भी ऐसा व्यक्ति सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :—

- (क) जिसने किसी ऐसी महिला/पुरुष से विवाह किया हो अथवा विवाह करने का निश्चय किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने अपनी पत्नी/पति के जीवित होते हुए किसी अन्य महिला/पुरुष से विवाह किया हो अथवा विवाह करने का निश्चय किया हो, परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट है कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष में वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, तो वह इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकती है।

20. इस परीक्षा के द्वारा जिन पदों पर नियुक्ति की जाएगी उससे संबंधित सेवा भर्ती का संक्षिप्त ब्यौरा परिशिष्ट-III में दिया गया है।

ए० एस० देश पाण्डे, अवर सचिव

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा का कार्यक्रम इस प्रकार होगा :—

भाग-1 : नीचे के पैरा-2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा होगी।

भाग-2 : जिन उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षा के संबंध में साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा बुलाया जाएगा, उसके पूर्णांक 200 होंगे (देखिए निम्नलिखित पैरा 7)

2. लिखित परीक्षा के लिए निम्नलिखित विषय होंगे :—

| विषय | निर्धारित पूर्णांक समय | |
|--|------------------------|-----|
| (3) सामान्य भू-विज्ञान, भू-आकृति विज्ञान तथा संरचना भू-विज्ञान | 3 घंटे | 200 |
| (4) स्फाट विज्ञान, खनिज विज्ञान, भू-रसायन तथा शैल विज्ञान | 3 घंटे | 200 |
| (5) स्तर विज्ञान तथा जीवाश्म विज्ञान | 3 घंटे | 200 |
| (6) आर्थिक भूविज्ञान, भारतीय खनिज निक्षेप खनिज समन्वेषण तथा खनिज अर्थशास्त्र | 3 घंटे | 200 |
| (7) जल विज्ञान | 3 घंटे | 200 |

ध्यान दे :—वर्ग 1 और वर्ग 2 अर्थात् दोनों वर्गों के पदों की परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी सातों विषय लेने होंगे। केवल वर्ग-1 के पदों के लिए परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को केवल उपर्युक्त (1) से (6) तक विषय लेने होंगे तथा केवल वर्ग-2 के पदों के लिए परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (5) तक और क्रम संख्या (7) के विषय लेने होंगे।

3. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अनिवार्यतः अंग्रेजी में लिखे जाएं।
4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5. परीक्षा का पाठ्य-विवरण और स्तर वही होगा जो संलग्न अनुसूची में विहित है।
6. आयोग को अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित करने का अधिकार है।
7. व्यक्तित्व परीक्षा में उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल, बौद्धिक, रक्षान, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक व शारीरिक क्षमताओं, उनके व्यवहारिक उपयोग की शक्ति, चरित्र निष्ठा तथा परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की योग्यता की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
8. सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।
9. अस्पष्ट लिखावट के कारण लिखित विषयों के पूर्णांक में 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।
10. परीक्षा के सभी विषयों में क्रमिक, प्रभावी और ठीक अभिव्यक्ति के साथ साथ संक्षेप में दिए गए उत्तरों को श्रेय दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्य-क्रम

अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान से सम्बद्ध प्रश्नपत्रों का स्तर वही होगा जिसकी विज्ञान के किसी स्नातक से उम्मीद की जाती है। भूविज्ञान के विषयों के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग भारतीय विश्व-विद्यालय की एम० एस० सी० डिग्री स्तर के बराबर होगा और

| विषय | निर्धारित समय | पूर्णांक |
|--|---------------|----------|
| (1) अंग्रेजी (निबन्ध और सार लेखन सहित) | 3 घंटे | 100 |
| (2) सामान्य ज्ञान तथा सामयिक घटनाक्रम | 2 घंटे | 100 |

आमतौर पर प्रश्न इस प्रकार होंगे कि उनसे प्रत्येक विषय के मूल तत्व समझने में उम्मीदवार की योग्यता की परख की जा सके।

किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) अंग्रेजी (निबंध और सार लेखन सहित)।

प्रश्न अंग्रेजी लिखने और समझने की शक्ति की जांच करने के लिए होंगे।

सामान्यतः संक्षेप या सार लेखन के लिए लेखांश दिये जाएंगे।

(2) सामान्य ज्ञान तथा सामयिक घटनाक्रम

सामान्य ज्ञान वर्तमान घटनाओं और प्रतिदिन के निरीक्षण तथा अनुभव की ऐसी बातों के वैज्ञानिक पक्ष का ज्ञान जिनकी भाषा किसी भी ऐसी शिक्षित व्यक्ति से की जा सकती है जिसने विज्ञान के किसी विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न-पत्र में भारतीय इतिहास तथा भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर देने में उम्मीदवार बिना विशेष अध्ययन किए ही सक्षम होना चाहिए।

(3) सामान्य भूविज्ञान, भू-आकृति—विज्ञान तथा संरचना भूविज्ञान

1. सामान्य भूविज्ञान: पृथ्वी का उद्भव, महाद्वीप और सागर—उनका विभाजन, विकास तथा उद्भव। महाद्वीपीय विस्थापन, सागर विस्तार तथा प्लेट—विचलन की संकल्पना। प्राचीन जलवायु—शास्त्र और उनका महत्व, भू-संतुलन। पुरा चुम्बकीय विज्ञान, रेडियोधर्मिता और भूविज्ञान में उसका अनु-प्रयोग। भूकालक्रम तथा पृथ्वी की आयु। भूकम्प विज्ञान तथा पृथ्वी की आन्तरिक स्थिति। उल्काशम। विस्तीर्ण अभिनति तथा उनका वर्गीकरण। ज्वालामुखी क्रिया, द्वीप आर्क, गहन-सागर सुरंगें तथा समुद्रवर्ती टीला प्रवाल—मिति। भू-स्थिरता। पर्वत रचना और भूरूप—जनक तथा पर्वत रचना कालक्रम।

2. भूआकृति विज्ञान: मूल संकल्पना तथा महत्व, भू-आकृति—प्रक्रिया तथा उनके मानक, भू-आकृति-क्रम तथा उनका निर्वचन। भारतीय उपमहाद्वीप की भू-आकृति विशिष्टताएं सथलाकृति तथा संरचना से इसका संबंध। तराई क्षेत्र विकास। भू-वर्तुल।

3. संरचना भूविज्ञान: चट्टानों के भौतिक गुणधर्म प्रतिबल और विकृति दीर्घवृत्त निरूपण। भ्रंशन और सिकुड़न—उनकी यांत्रिकी। प्राथमिक संरचनाएं तथा उनका महत्व। रेखांकन, परत-संरचना, तथा संक्षेप, पपूटोन—झायापिर तथा लवण गुम्बद। संस्तरों के शीशों और पेदों को पहचानना। विषम विन्यास, पटल-विरूपण। शैल तन्तु विश्लेषण और इसका लेखाचित्र प्रदर्शन।

(4) क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान, शिलाविज्ञान तथा भू-रसायन

(क) क्रिस्टल विज्ञान:

सन्नस्थिति तत्व तथा क्रिस्टल का वर्गीकरण। प्रेक्षेपण, वर्तलाकार तथा सभरूपी, कोणमापी। 32 श्रेणियां (पाईट वर्ग)। विन्यास जाल और विन्यास वर्ग। एकसरे क्रिस्टल विज्ञान के मूल सिद्धान्त। युग्म तथा क्रिस्टल अपूर्णताएं।

2—231GI/76

(ख) खनिजविज्ञान

(i) वर्णनात्मक

परमाणु संरचना। क्रिस्टल में पैकिंग और बॉन्डिंग। परमाणु प्रतिस्थापन। किस्म संरचना। भौतिकी विद्युत चुम्बकीय तथा खनिज के तापीय गुणधर्म। संरचना और सिलिकेट का वर्गीकरण निम्नलिखित खनिजों और वर्गों का अध्ययन:

आर्थो तथा रिंग सिलिकेट

अलिवीन वर्ग, गारनेट वर्ग, एपिडोट वर्ग तथा मेलिलाइट वर्ग। जर्कन, स्फीन, सिलिमिनाइट एंडालुसाइट, काइनाइट, टोपाज, स्टोरोलाइट, बेरिल कोर्डराइट, टुरमेलिन।

चेन सिलिकेट

पाइरोक्सीन वर्ग तथा एम्फीबोल वर्ग ब्रुस्टोनाइट तथा रोडोनाइट।

शीट सिलिकेट

अधक वर्ग, क्लाराइट वर्ग तथा मिट्टी-खनिज।

सिलिकेट ढांचा

फेल्सपार वर्ग, सिलिका खनिज, फोल्डसपेथोइड वर्ग, जीओलाइट वर्ग तथा स्केपलाइट वर्ग।

गैर सिलिकेट

आक्साइट, हाइड्रोआक्साइड कार्बोनिट्स, फास्फेट्स हैलाइड्स, सल्फाइड्स तथा सल्फेट्स।

(ii) प्रकाशीय खनिज विज्ञान:

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धान्त; प्रकाशीय उपांग; रिफ्रिन्-जेंस; वाईरिफ्रिन्जेंस लोप-कोण; पाइ श्रोइज्म; प्रकाशीय एलिप-साइड, प्रकाशीय कक्षकोण, प्रकाशकी अनुस्थापन; विखंडन; प्रकाशनीय विषमताएं।

सार्वभौम स्थिति और इसके उपयोग।

(ग) शिला विज्ञान

(i) आग्नेय:

रूप, संरचनाएं, बनावट और वर्गीकरण महत्वपूर्ण वर्गों का वर्णन ग्रैनाइट, ग्रनोडाइराइट—डाइराइट, साइनाइट नेफलीन साइनाइट, गैबरो-पे सेडोराइट—ड्यूनाइट। डोलेराइट तथा लैम्प्रोफाबर्स पेगमेटाइट तथा एपलाइट। इजोलाइट और कारबोनेटाइट। राओलाइट-ट्रेक्टाइट-डेसाइट। एडोसाइट तथा बैसाल्ट।

सिलिकेट पद्धति में प्रावस्था नियम और संतुलन। दो अवयव तथा तीन अवयव पद्धतियां। क्रिस्टलोरण का क्रम। प्रतिक्रिया सिद्धान्त। मैग्मा-बैसाल्टिक। मैग्मा का क्रिस्टलोरण। शिलाओं के प्रकार। समीकरण, विभिन्न मानचित्र। ग्रैनाइट मोनोमिनरेलिक शैल, क्षारीय शैल, कार्बोनेटाइट, पेगमाटाइट और लैम्प्रोफायर्स।

(ii) तलछटी:

तलछट शैलों का वर्गीकरण और बनावट। तलछटन का उद्भव। बनावट और संरचना। तलछट शैलों के महत्वपूर्ण

वर्गों का अध्ययन तलछाटन का यांत्रिकी विश्लेषण। प्रक्षेपण की विधियाँ। तलछाटन का उद्गमस्थान। प्रक्षेपण पर्यावरण भारी खनिज तथा उनका महत्व लिथिफिकेशन तथा डाइजेनिसिस।

(iii) रूपांतरण

कायांतरा के उपादान। किस्म, नियंत्रण संरचनाएं, ग्रेड तथा फेसिज। रूपांतरण भिन्नताएं। रासायनिक प्रतिस्थापन और ग्रेनाइटकरण, मिगमेटाइट, ग्रेन्यूलाइट चारनोकाइट्स, एम्फोबोलाइट, चिस्ट, नाइस तथा हार्नफैल्स। मगमा तथा औरोजेनी के संबंध में रूपांतरण।

(घ) भूरसायन

भूरसायन का क्षेत्र, तत्वों की कास्मिक बहुलता, पृथ्वी की प्राथमिक भूरसायन भिन्नताएं; तत्वों का भूरसायनिक वर्गीकरण। विभिन्न किस्म की शिलाओं में अनुरेखन तत्व। जलीय भूरसायन।

तलछाटन भूरसायन भूरसायन क्रम तथा भूरसायन पूर्वोक्षण के प्रारंभिक सिद्धान्त।

(5) स्तरित शैल विज्ञान तथा जीवाश्म विज्ञान

1. स्तरित शैल विज्ञान :

स्तरित शैल विज्ञान के सिद्धान्त और अभिधान। विश्व स्तरित शैल विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान की रूपरेखा विभिन्न भूविज्ञान पद्धतियों और मुख्य पावतिक कालक्रम के ज्ञान सहित। गोंडवाना प्रणाली और गोंडवाना भूमि के अन्य भागों में इस समतुल्य बातों का ज्ञान।

भारतीय उप-महाद्वीप (भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश तथा श्रीलंका) का स्तरित शैल विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान। मुख्य भारतीय स्थलाकृतियों का सहसंबंध तथा इन स्थलाकृतियों और संरचनाओं की आयु समस्याओं जैसे विन्ध्या ग्रुप, सैलाइन सीरीज, गोंडवाना हिमाच्छादन, दक्षिणी पठार, और क्रिटेशियस टेरेशियर सीमा का आलोचनात्मक अध्ययन।

2. जीवाश्म विज्ञान:

(क) जीवाश्म, उनकी प्रकृति, परिरक्षण विधियाँ और उपयोग। आकृति विज्ञान, अकशोसकी का भूवैज्ञानिक इतिहास तथा कोरल, ब्रेचिओपोड्स, लैमेलिब्रांचिस, एमीनाइट्स, गेस्ट्रोपोड्स, ट्रिलोबाइट्स, इचिोनोडर्म्स, ग्रेपटोलाइट्स तथा फोरोमिनिफर्स।

(क) रीढ़दार जंतु : गोंडवाना और शिवालिक जीवजन्तुओं के विशेष उल्लेख के साथ रीढ़दार जानवरों के प्रमुख वर्ग। मानव, हाथी तथा घोड़े का ऐतिहासिक विकास।

(ग) पौधे :—फौसिल वनस्पति, गोंडवाना वनस्पति के विशेष उल्लेख के साथ इसका महत्व और विभाजन।

(घ) सूक्ष्म-फासिल विज्ञान : फोरोमिनिफेरिड्स, उनकी इकालोजी तथा पेलिओइकालोजी के विशेष सन्दर्भ में इसका महत्व।

(6) आर्थिक भूविज्ञान, भारतीय खनिज भंडार खनिज समन्वेषण तथा खनिज अर्थशास्त्र

क. आर्थिक भूविज्ञान :

खनिज भंडार—निर्माण प्रक्रिया स्थानीयकरण तथा परा-जेनिसिस का नियंत्रण। धातुक तथा अ-धातुक खनिजों का अध्ययन। ईंधन। औद्योगिक शिलाएं तथा खनिज रत्न तथा अर्द्धमूल्यवान खनिज।

ख. भारतीय खनिज भंडार

निम्नलिखित धातुओं तथा धातुओं और खनिजों के भारतीय भंडार, उनका वितरण, उद्गम और प्राप्ति प्रक्रिया।

(क) तांबा, सीसा, जस्ता, एल्यूमिनियम, मैग्नेसियम, लोहा, मैंगनीज, क्रोमियम, स्वर्ण, चांदी, टंगस्टन और माह-वेडनम।

(ख) अभ्रक, बर्मिकुलाइट, एसबसट्स, कैसइट्स, ग्रेफाइट, जिप्सम, गेरू, मूल्यवान तथा अर्द्ध मूल्यवान खनिज रेफ्रेक्टोरी खनिज, अपघर्षी तथा खनिज मिट्टियाँ, सीसा, उर्वरक और सीमेंट उद्योग संबंधी खनिज रंग और रोगन तथा इमारती पत्थर।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, तथा परमाणु ऊर्जा खनिज।

ग. खनिज समन्वेषण तथा खनिज अर्थ शास्त्र :

(क) भूतल और भूगर्भीय समन्वेषण की विधियाँ, समन्वेषण में प्रयुक्त क्षेत्रगत-उपकरण तथा क्षेत्र परीक्षण, अयस्क भंडारों की खोज, नमूनाकरण निर्धारण पूर्वोक्षण मूल्यांकन संबंधी निर्देश तथा खनिज समन्वेषण में भू-भौतिकीय, भूरसायनिक और भूवमस्पति सर्वेक्षण।

(ख) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में खनिजों का महत्व, खनिज तथा निर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का उपयोग, मांग और पूर्ति तथा स्थानापन्न वस्तुएं, भारत में मुख्य खनिजों का उत्पादन और मूल्य खनिज उद्योगों का अन्तर्राष्ट्रीय पहलू, सामरिक, नाजुक और मूल्यवान खनिज। भारत में खनिज रियायत नियमावली के मूल सिद्धान्त, संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति।

(7) जल विज्ञान

जलीय-चक्र

भूतल में जल का फैलाव जलीय चक्र और भू-जल। भू-जल की उत्पत्ति, उल्का, जुवेनिल और मैग्मैटिक जल, चट्टानों के स्रोतों की जल धारण क्षमताओं के साथ उनका वर्गीकरण, जल परतों की इकाइयाँ, भू-जल स्थानों की भू-गर्भीय बनावट भू-जल क्षेत्री

भू-जल भंडार — एक्वीफर, एक्व्यूड, एक्वीटाईस शिलाओं का जलीय गुणधर्म (भूमिगत जलाशय) छिद्रलता, शून्य-अनुपात, प्रसरणशीलता, पारगम्यता, संचयशीलता।

विशिष्ट उत्पाद, विशिष्ट धारिता विसरण शीलता, बैरीफीटरी और भूकम्पीय क्षमता।

भूगर्भीय जलाशयों का वर्गीकरण—असीमित सीमित, स्रोतदार और स्रोतरहित जलाशय तटीय जलाशय।

भूगर्भीय जलाशय के गुणधर्मों की पहचान विधियाँ — कूप-उत्खनन विधियों और प्रयोगशाला तकनीकों से प्रसरणशीलता तथा विशिष्ट उत्पाद। संचयशीलता की परख। भूगर्भीय जल के संचलन की शक्तियाँ — जल पटल, आधारमापी सतह, तरलता-तत्व, घनत्व-अन्तर, जलीय-रसायन (धानित्वक) : भूगर्भीय जल संचलन के नियम—डार्सी का नियम।

भूजल का पुनरसंचलन—कृत्रिम तथा प्राकृतिक, रिचार्ज का नियंत्रणकारी कारक, भूजल का सश्लेषक और क्षयकारी उपयोग।

भू-जल के समन्वेषण की ऊपरी भूगर्भीय विधियाँ।

भूवैज्ञानिक तथा भूभौतिक जल संतुलन—भूगर्भीय जल निकासी की तकनीकें (कूपों के प्रकार, विभिन्न प्रकार की चट्टानों से अधिकतम जल प्राप्ति हेतु कूप-निर्माण विधियाँ,

भूगर्भीय जल की रासायनिक विशेषताएँ और उसके विभिन्न उपयोग-घरेलू, औद्योगिक, सिंचाई संबंधी।

परिणित 2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों के लिये भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता उसे स्वास्थ्य परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकेंगे। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानदंड के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह, लिखित रूप में स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

किन्तु यह बात भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा। रक्षा सेवाओं में अपंग हुए भूतपूर्व सैनिकों तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में फौजी कार्रवाई के दौरान अपंग हुए और परिणामस्वरूप निमुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के लिये पदों की अपेक्षाओं के अनुरूप स्तर में छूट दी जायेगी।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन सहित) मूल के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझें, व्यवहार

में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिये और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड किसी उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा उसे माप-दण्ड से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एडियों के, पैरों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अक्लें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिडलियाँ नितम्ब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटलवार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधी सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों, और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर उसका ऊपरी किनारा कंधे के निचले भाग से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर वह उसी समानांतर हालत में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता हिल जाए। अब उम्मीदवार को कई बार लम्बी लम्बी सांस लेने के लिये कहा जाएगा और कम से कम तथा अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर के कम के अंतर को नोट नहीं किया जाएगा।

ध्यान दें:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार के कद और छाती की दो बार नाप की जाएगी।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के वजन को नोट नहीं किया जाएगा।

6. उम्मीदवार की तजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा।

(i) सामान्य:—किसी रोग या दोष का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों में भेगापन है या आंखों, पलकों अथवा आस-पास की वनावट में दोष है जिससे भविष्य के किसी भी समय सेवा के लिये उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी) :—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो जांचों की जाएंगी, एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

| दूर की नजर | | नजदीक की नजर | |
|------------|----------|--------------|----------|
| अच्छी आंख | खराब आंख | अच्छी आंख | खराब आंख |
| 6/9 | 6/9 | 0.6 | 0.8 |
| या | | | |
| 6/6 | 6/12 | | |

नोट : (1) निकट दृष्टि की कुल मात्रा (सिलिंडर समेत) 4.00 डी० से अधिक नहीं होगी। दीर्घ दृष्टि की कुल मात्रा (सिलिंडर समेत) + 4.00 डी० से अधिक नहीं होगी।

नोट : (2) फंडस परीक्षा:—जब संभव होगी मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किए जाएंगे।

नोट : (3) कलर विजन—(i) रंगों के संबंध में नजर की जांच जरूरी है। (ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंगों का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिये जो लैटर्न-के द्वारा (एपचर) के आकार पर निर्भर हो।

| ग्रेड | रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का | |
|--|---------------------------|---------------|
| | उच्चतर ग्रेड | निम्नतर ग्रेड |
| 1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी | 4.9 मीटर | 4.9 मीटर |
| 2. डारक एपचर का आकार | 1.3 मि० मीटर | 1.3 मि० मीटर |
| 3. दिखाने का समय | 5 सैकण्ड | 5 सैकण्ड |

जन सुरक्षा संबंधित सेवाओं, उदाहरणार्थ, पाइलट, ड्राइवर, गार्ड आदि के लिये वर्ण दृष्टि का उच्चतर ग्रेड अनिवार्य है परन्तु अन्य सेवाओं के लिये वर्ण दृष्टि का निम्न ग्रेड पर्याप्त समझा जा सकता है। वर्ण-दृष्टि के सही मानक, ऐसे सभी इंजीनियरी कार्मिकों, पर लागू होने चाहिये जिनके बारे में वर्ण पहचान अनिवार्य समझा जाता हो, चाहे उनका संबंध क्षेत्र ड्यूटी से हो या न हो।

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलरविजन है। इण्डिया प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीनकी लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिये बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच का साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर प्रयोग्य पाया जाय तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

नोट : (4) दृष्टि (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि (कन्फेशन मैथड) द्वारा पुष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोष जनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परमापी (पैरोमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट : (5) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतौंधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिये कोई नियत स्टैण्डर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में से जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर पूर्ण विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर विचार अवश्य किया जाना चाहिए।

नोट : (6) दृष्टि की पकड़ से भिन्न आंखों की अवस्थाएं (आक्यूलर कडीशन्स) :—

(क) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन लुटि (प्रोग्रेसिव रिप्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि को पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।

(ख) रोहे (ट्रकोमा)—यदि रोहे जटिल न हों तो वे आमतौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

- (ग) भँगापन (स्किन्ड) —ट्रिनेवो (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजिमी है। नियत स्टैन्डर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भँगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।
- (घ) एक आंख वाले व्यक्ति—निर्युक्त के लिये एक आंख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

7. रक्त-चाप (ब्लड प्रेशर) :—

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसतनत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आंधी आगु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर से सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 से ऊपर से डास्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई शारीरिक (आंगनिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय को एक्स-रे और इलैक्ट्रोकार्डिया-ग्राफिक परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लोयरेन्स) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

रक्त-चाप (ब्लड प्रेशर) लेने की विधि :

नियमत : पारे वाले दाबमापी (मर्करी मैनी मीटर) किस्म का आला (इन्ट्रुमेन्ट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त-चाप नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्त कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। लगभग लेटी हुई स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से महारा दिया जाता है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिये। कफ से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़की भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समानान्तर लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कॉप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे।

कफ में लगभग 200 एमएम हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर घेरे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की हवा हुई तो सुप्त प्रायः हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि गलत हो जाता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरा हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस “साइलेंट गैप” से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड उसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीस) के लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि कोई उम्मीदवार को ग्लूकोस मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैन्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साफ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान-डायबेटिक) हो और बोर्ड रोगी को मेडिकल के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हो। मेडिकल विशेष स्टैन्डर्ड ब्लड शुगर टालरेस-टेक्स समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की “फिट” या “अनफिट” की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होता। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई औरत उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तक तब अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिये जब तक कि उसकी प्रसूति न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सक से आरोग्यता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद प्रमाण पत्र के लिये, उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिये।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण किया जाए :

- (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से ठीक सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की कोई बीमारी तो नहीं है, इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिये। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या श्रवण-पत्र (हियरिंग ऐड) के

इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को उस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता, बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। इस संबंध में चिकित्सा अधिकारी को निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिये :-

- | | | |
|--|---|--|
| (1) एक कान में काफी अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरे कान का सामान्य होना। | यदि बहरापन व उच्चतर आवृत्तियों में 30 डेसीबल तक है तो अतकनीकी कार्यों के लिये योग्य है। | (ii) दोनों कानों के धाव जैसे छेद होने पर तकनीकी रोजगार के लिये अयोग्य किन्तु गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य। यदि हियरिंग एड से अथवा उसके बिना किसी भी कान में श्रवण शक्ति 30 डेसीबल तक सुधर जाती है। |
| (2) दोनों कानों में ही अनुरोष्क बहरापन जिसमें हियरिंग एड द्वारा कुछ सुधार संभव है। | यदि बहरापन 1000 से 4000 तक की वाणी आवृत्तियों में 30 डेसीबल तक है तो तकनीकी और अतकनीकी दोनों ही कार्यों के लिये योग्य है। | (5) बढ़ने वाले कान आपरेशन पूर्व/आपरेशन बाद तकनीकी- और अतकनीकी दोनों ही कार्यों के लिये अस्थायी रूप से अयोग्य। |
| (3) मध्यवर्ती अथवा सीमान्तक प्रकार के कर्णपट्टी झिल्ली का छेदन। | (i) एक कान सामान्य दूसरे कान में कर्णपट्टी झिल्ली का छेदन की उपस्थिति अस्थायी रूप से अयोग्य। कान शल्य चिकित्सा की सुधरी हुई स्थितियों में उम्मीदवार को, सीमान्तक अथवा दोनों कानों में अन्य छेदन होने पर, अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित कर मौका देना चाहिए और उसपर निम्नलिखित : 4 (ii) के अधीन विचार किया जाना चाहिये। (ii) दोनों कानों में सीमान्तक अथवा मध्यकर्ण गुहा के एक भाग में छेदन अयोग्य (iii) दोनों कानों में मध्यवर्ती छेदन अस्थायी रूप से अयोग्य। | (6) नासिका पटल की हड्डी के दोष पूर्ण होने या न होने पर नासिका की स्थायी सूजन/ तीव्र संवेदनशीलता (एलर्जी) (i) प्रत्येक रोग में परिस्थिति के अनुसार फैसला लिया जाएगा। (ii) यदि नाक के पर्दा में कोई खराबी है और उसके लक्षण दिखाई देते हैं, तो अस्थायी रूप से अयोग्य। (7) टौनसिलों और/या कंठ को पुरानी सूजन स्थितियां, (i) टौनसिलों और/अथवा कंठ की पुरानी सूजन योग्य। (ii) अत्यधिक फटी आवाज हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य। |
| (4) एक/दोनों कानों में धाव आदि के कारण कम सुनाई देना। | (i) एक कान सामान्य सुनाई देने योग्य दूसरा कान धाव जैसे छेद का हो तो तकनीकी व अतकनीकी दोनों रोजगार के लिये योग्य | (8) नाक, कान और गले की सामान्य या घातक रसोली (i) सामान्य रसोली अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) घातक रसोली-अयोग्य यदि शल्य चिकित्सा के बाद-अथवा हियरिंग एड की सहायता से श्रवण शक्ति 30 डेसीबलों के भीतर है, तो योग्य। (9) कर्ण रोग (i) यदि काम करने में बाधा नहीं होती है तो योग्य। (ii) अत्यधिक हकलाना-अयोग्य है। (10) कान, नाक और गले की जन्म-जात खराबियां (i) यदि काम करने में बाधा नहीं होती है तो योग्य। (ii) अत्यधिक हकलाना-अस्थायी रूप से अयोग्य। (11) नासिकापोली (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता नहीं हो। (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी) तरह भरे हुए दांत को ठीक समझा जाएगा। |

- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी तो नहीं है।
- (च) उसे हनिया तो नहीं है।
- (छ) उसे ग्रंथ वृद्धि (हाइड्रोसील), ग्रंथशिरा फैलाव (बेरिकेसील), ग्रंथकोश-सूजन (बेरिकोज) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगो, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसके सभी जोड़ों में ठीक और स्वतंत्र गतिशीलता है या नहीं।
- (झ) उसे कोई त्वचा की पुरानी बीमारी तो नहीं है।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरूपता या दोष तो नहीं है।
- (ट) उसमें किसी पुरानी या जीर्ण बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं जिससे उसके शरीर के कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) उसके शरीर में टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई छूत का रोग तो नहीं है।

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में सही रूप में छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिये।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षता के साथ ड्यूटी देने में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त पदों के लिये उसकी योग्यता का निर्धारण करने के लिये नियुक्त विशेष स्थायी मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई हक नहीं है। किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करे तो इस प्रमाण पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि इसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टीशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण पत्र इस तथ्य के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका है।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शक के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दोष (खाडिली इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंधित है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामलों में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अवयगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृति करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा।

भू-वैज्ञानिक (कनिष्ठ) और सहायक भू-वैज्ञानिक के पदों पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी पड़ सकती है। ऐसी उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को विशिष्ट रूप से अपनी राय रिकार्ड करनी चाहिये कि वह क्षेत्र-गत सेवा के योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत ब्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषधि या शल्य चिकित्सा) द्वारा पूरी हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र हैं।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिए जाएं तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिये। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिये।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिये और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की और उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में) —

2. अपनी आयु और जन्मस्थान बताएं—

2. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैन्ड, आदिम जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरे से कम होता है; “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए, और यदि उत्तर “हां” में हो तो उस जाति का नाम बताइये।

3. (क) क्या आप को कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (गलैन्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मृच्छा के दौरे रूपमेडिज्म एपेडिसाइटिस हुआ है।

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शया पर लेटे रहना पड़ा हो, और जिस का मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरा दें :—

| | | | |
|--|--|--|---|
| यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण | आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य | आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण |
|--|--|--|---|

| | | | |
|--|---|---|---|
| यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण | आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था | आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण |
|--|---|---|---|

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?—

8. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर “हां” हो तो बताइए किन सेवाओं/पदों के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?—

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?—

10. कब और कहां मेडिकल बोर्ड बैठा ?—

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य भत्ता (सुपरएनुएशन ग्राउन्स) या उपदान (ग्रेचेटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) — की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास अच्छा—

बीच का — कम —

पोषण। पतला — औसत —

— मोटा — कद —

(जूते उतार कर) —

वजन — वजन में कोई हाल ही

में हुआ परिवर्तन —

तापमान —

छाती के घेर —

- (1) पूरा सांस खींचने पर—
 (2) पूरा सांस निकालने पर—
 2. त्वचा—कोई जाहिरी

बीमारी

3. नेत्र :

- (1) कोई बीमारी —
 (2) रतोंधी —
 (3) कलर विजन का दोष—
 (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ़ विजन)—
 (5) पखस की जांच—
 (6) दृष्टि की पकड़ (विजीअल ऐक्विटी)—
 (7) स्टोरियों स्फोयिक पयजन की समर्थता—

दृष्टि की पकड़ चश्मे के बिना चश्मे में चश्मे की पावर
मील मिल
प्रक्षा

दूर की नजर

दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर

दा० ने०

बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया

(व्यक्त)

दा० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण—सुनना ।

दायां कान—बायां कान—

5. ग्रंथियां—थाइराइड—

6. दांतों की हालत—

7. श्वसन तंत्र (रिस्परेटर सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्योरा दें?

8. परिसंचरण तंत्र (एक्युलैस्टी सिस्टम) ।

(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आर्गेनिक लोजन) ।

गति (रेट) :

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद

कुदाए जाने के दो मिनट बाद—

- (ख) ब्लड प्रेशर.....
 सिस्टोलिक
 डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : पैर.....

दाब वेदना (टेंडरनेस) हिनिया.....

(क) सुस्पष्टतया, जिगर.....

तिल्ली

गुर्दे

दयुमर

(ख) बवासीर के मस्से.....

फिरचुला

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तंत्र का या मानसिक
अशक्तता का संकेत.....

11. चाल तंत्र (लोको मीटर सिस्टम)

कोई विलक्षणता

12. जनन-मूल तंत्र (जेनिटो यूरिनरो) सिस्टम ।

हाइड्रोसेल, वेरिकोसेल आदि का संकेत ।

मूल परीक्षा.....

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ।

(ख) कोपसपिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) एल्युमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) केशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट ।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिस से उस सेवा हेतु जिस के लिए वह उम्मीदवार है, की ड्यूटी की दक्षता पूर्वक निभाने के लिए वह अयोग्य हो सकता है?

टिप्पणी :

महिला उम्मीदवार की दशा में यदि यह पाया गया है कि वह बारह सप्ताह या उस से अधिक गर्भवती है, उसको विनियम 9 के द्वारा अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए ।

15 (क) कर्तव्यों को दक्षता पूर्वक और निरन्तर निभाने की दृष्टि से किन किन सेवाओं के लिए उम्मीदवार की परीक्षा की गई है और किन किन सेवाओं के लिए वह सभी तरह से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है ?

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा के योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

- (i) योग्य (फिट).....
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....
- (iii) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण...

स्थान
 अध्यक्ष (चेयरमैन).....
 तारीख
 सदस्य

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों पर भरती की जा रही है उनसे संबंधित संक्षिप्त विवरण।

1 भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण संस्था :

(1) वैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्रेणी—I

(क) जिन उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना जाएगा उनकी नियुक्ति 2 वर्ष की परखावधि पर की जाएगी। यह परखावधि आवश्यकता हुई तो बढ़ाई जा सकती है।

(ख) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्था में निर्धारित वेतनमान :—

(i) भू-वैज्ञानिक (जूनियर वेतनमान)
 रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

(ii) भू-वैज्ञानिक (सीनियर वेतनमान) :
 रु० 1100-50-1600।

(iii) निदेशक : रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) उप महा-निदेशक : रु० 2250-125/- 2-2500-द० रो०-125/2-2750।

(v) महा निदेशक : रु० 3000/- (नियत)।

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर ऐसे आशोधनों के अध्याधीन रहते हुए विभाग में उच्चतर ग्रेडों के पदों में पदोन्नतियां भर्ती—नियम के अनुसार की जाएगी ?

(घ) सेवा छुट्टी और पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः मूल नियमावली और सिविल सेवा नियमावली में किया गया है। इन नियमों में सरकार समय समय पर जो आशोधन करती है वे भी लागू होंगे।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में निर्धारित है। इन नियमों में सरकार समय समय पर जो आशोधन करती है वे भी लागू होंगे।

(च) भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण संस्था के सभी अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कहीं भी सेवा करनी होगी।

2. सहायक भूविज्ञानी ग्रुप बी० :—

(क) जिन उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना जाएगा उनकी नियुक्ति 2 वर्ष की परखावधि पर की जाएगी। यह परखावधि आवश्यकता हुई तो बढ़ाई जा सकती है।

(ख) निर्धारित वेतनमान : रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

(ग) भू-वैज्ञानिक (ग्रुप 'ए' जूनियर वेतनमान) संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से और अंशतः विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा और भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण संस्था के उन सहायक भू-वैज्ञानिकों के अगले निम्न ग्रेड से उन भरती नियमों के अनुसार पदोन्नति द्वारा की जाएगी जिनमें समय समय पर सरकार द्वारा संशोधन होता रहेगा।

(घ) सेवा छुट्टी और पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः मूल नियमावली और सिविल सेवा नियमावली में किया गया है। इन नियमों में सरकार समय समय पर जो संशोधन करती है, वे भी लागू होंगे।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में निर्धारित है, इन नियमों में सरकार समय समय पर जो संशोधन करती है, वे भी लागू होंगे।

(च) सहायक भू-वैज्ञानिक को भारत के किसी भी भाग में भारत से बाहर कहीं भी सेवा के लिए कहा जा सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड :

(1) कनिष्ठ जल वैज्ञानिक, ग्रुप 'ए०'

(क) जिन उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना जाएगा उनकी नियुक्ति 2 वर्ष की परखावधि पर की जाएगी, जिसे यदि आवश्यक हुआ तो बढ़ाया भी जा सकता है।

- (ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में निर्धारित वेतनमान :-
- (i) कनिष्ठ जल वैज्ञानिक-रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300।
 - (ii) वरिष्ठ जल वैज्ञानिक-रु० 1100-50-1600।
 - (iii) निदेशक-रु० 1500-60-1800-100-2000।
 - (iv) मुख्य जल वैज्ञानिक-रु० 2250-125-2500।
- (ग) विभाग में उच्चतर ग्रेडों के पदों में पदोन्नतियां भर्ती नियम के अनुसार की जाएगी जिसमें समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधन किया जा सकता है।
- (घ) सेवा छुट्टी और पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः मूल नियमावली और सिविल सेवा विनियमों में किया गया है। इन नियमों में सरकार समय-समय पर जो आशोधन करती है वह भी लागू होंगे।
- (ङ) भविष्य निधि की शर्तें सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में निर्धारित हैं। इस नियमावली में समय-समय पर सरकार जो आशोधन करती है वह भी लागू होंगे।
- (च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सभी अधिकारियों को भारत के किसी भाग में या भारत से बाहर कहीं भी सेवा करनी होगी।
- (2) सहायक जल वैज्ञानिक ग्रुप बी०
- (क) जिन उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना जाएगा, उनकी नियुक्ति 2 वर्ष की परीक्षावधि पर की जाएगी, जिसे यदि आवश्यक हुआ तो बढ़ाया भी जा सकता है।
- (ख) निर्धारित वेतनमान : रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200।
- (ग) कनिष्ठ जल विज्ञानी (ग्रुप ए०) संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा द्वारा और अंशतः विभागीय पदोन्नति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के अगले निम्न ग्रेड के उन सहायक जल-वैज्ञानिकों में से भर्ती नियमों के अनुसार पदोन्नति द्वारा की जाएगी जिनमें समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधन किया जा सकता है।

- (घ) सेवा छुट्टी और पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः मूल नियमावली और सिविल सेवा विनियमों में किया गया है। इन नियमों में सरकार समय-समय पर जो आशोधन करती है वह भी लागू होंगे।
- (ङ) भविष्य निधि की शर्तें सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली निर्धारित हैं। इस नियमावली में सरकार समय-समय पर जो आशोधन करती है वह भी लागू होंगे।
- (च) सहायक जल वैज्ञानिकों को भारत अथवा भारत से बाहर कहीं भी सेवा करनी होगी

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1976

सं० 1/15/75-सी० टी० ई०—दिनांक 16-8-76 से प्रोफेसर जी० एस० रामास्वामी, निदेशक, संरचना इंजीनियरी अनुसंधान (क्षेत्रीय) केन्द्रीय मद्रास और डा० एन० के० जैन, निदेशक, टोकलाई एक्सपेरिमेंटल स्टेशन, सिन्नमारा, जोरहाट क्रमशः समन्वय-परिषद् इंजीनियरी समूह और जैविक विज्ञान समूह के अध्याक्षों (चेयरमैन) के रूप में मनोनीत किये गये हैं। इसके फलस्वरूप, भारत के राजपत्र के भाग 1, अनुभाग-1 में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक: 1/15/75-सी० टी० ई० दिनांक 23-8-1975 में क्रमसंख्या 6(ए) और 6(बी) के कोष्टकों के अन्तर्गत प्रकाशित प्रोफेसर दिनेश मोहन, और डा० एस० एच० जैदी के नाम और पद के स्थान पर प्रोफेसर जी० एस० रामास्वामी निदेशक, संरचना इंजीनियरी अनुसंधान (क्षेत्रीय) केन्द्र, मद्रास और डा० एन० के० जैन, निदेशक, टोकलाई एक्सपेरिमेंटल स्टेशन, सिन्नमारा, जोरहाट के कर दिये गये हैं।

वाई० नायडुम्मा, सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक अगस्त 1976

संकल्प

सं० जे० 11015/3/76-एफ० आर० वाई० (डब्ल्यू० एल०)—न केवल भारत में बल्कि संसार भर में ही वन्य प्राणियों की संख्या में कमी का प्रमुख कारण उनका वाणिज्यिक कार्यों के लिए उपयोग रहा है। वन्य प्राणियों की कई किस्मों के निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है तथापि ऐसी वस्तुओं की तस्करी जोर-शोर से चलती रही है। इस प्रकार के व्यापार के कारण जोखिम में पड़ी वन्य प्राणियों की किस्मों के संरक्षण की दृष्टि से 3 मार्च, 1973 को वाणिज्य में वन्य प्राणियों और वनस्पति की जोखिम में पड़ी किस्मों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संबंध में एक अभिसमय पर हस्ताक्षर किये गये थे।

2. इस अभिसमय के परिशिष्ट 1 तथा 2 में वन्य प्राणियों की केवल ऐसी किस्में शामिल की गई हैं जिनकी संख्या में कमी हो रही है और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण जो जोखिम में पड़ी हुई हैं और जिनका अस्तित्व प्रायः समाप्त होने वाला है। इस अभिसमय का परिशिष्ट 3 इस पर हस्ताक्षर करने वाले देशों को इस बात की अनुमति देता है कि वे इस अभिसमय के प्रावधानों को अपने देश के ऐसे वन्य प्राणियों की किस्मों पर लागू कर सकते हैं जिन्हें विशेष संरक्षण प्रदान करना आवश्यक समझा जाये। भारत ने जुलाई, 1974 में इस अभिसमय पर हस्ताक्षर किये। अब भारत सरकार ने इस अभिसमय की अभिपुष्टि करने का और इस अभिपुष्टि के प्रपत्र को स्विस सरकार के पास जो कि इसका न्यासीधारी देश है, जमा कराने का निश्चय किया है।

3. इस अभिसमय की धारा 9 में ऐसी व्यवस्था है कि प्रत्येक पार्टी इस अभिसमय के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित को नामोद्धिष्ट करेगी।

(क) उस पार्टी की ओर से परमिट या प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए सक्षम एक या इससे अधिक प्रबंध प्राधिकरण।

(ख) एक या इससे अधिक वैज्ञानिक प्राधिकरण।

4. उक्त प्रबंध प्राधिकरण और वैज्ञानिक प्राधिकरण के कार्य इस प्रकार होंगे :—

प्रबंध प्राधिकरण

1. इस अभिसमय के परिशिष्ट 1 में शामिल की गई किसी भी किस्म के किसी भी नमूने के निर्यात के लिए पहले से निर्यात परमिट प्रदान करके प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। ऐसा निर्यात परमिट निम्नलिखित शर्तें पूरी करने पर ही दिया जायेगा :—

(क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त नमूना वन्य प्राणियों तथा वनस्पति संरक्षण के लिए उस राज्य द्वारा बनाए कानूनों का उल्लंघन करते हुए प्राप्त न किया गया हो।

(ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि वन्यप्राणियों की किसी भी जीवित किस्म को जलयान द्वारा इस प्रकार भेजा जायेगा कि उन्हें चोट लगने या उनका स्वास्थ्य खराब होने या उनके साथ निर्दयता की कम से कम संभावना हो।

(ग) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि आयात का परमिट एक नमूने के लिए दिया गया हो।

(2) इस अभिसमय के परिशिष्ट 2 में शामिल किस्मों के किसी भी नमूने के निर्यात के लिए पहले से निर्यात परमिट प्रदान और प्रस्तुत करना होगा। ऐसा निर्यात परमिट निम्नलिखित शर्तें पूरा करने पर ही दिया जायेगा।

(क) जब प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त नमूना वन्य प्राणि तथा वनस्पति संरक्षण के लिए बनाए कानूनों का उल्लंघन करते हुए प्राप्त न किया गया हो ;

(ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि वन्य प्राणियों की किसी भी जीवित किस्म को जलयान द्वारा इस प्रकार भेजा जायेगा कि उन्हें चोट लगने या उनका स्वास्थ्य खराब होने या उनके साथ निर्दयता की कम से कम संभावना हो।

(3) इस अभिसमय के परिशिष्ट 3 में शामिल किस्मों के किसी भी नमूने के निर्यात के लिए पहले से निर्यात परमिट प्रदान करना और प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। ऐसा निर्यात परमिट निम्नलिखित शर्तें पूरा करने पर ही दिया जाएगा।

(क) जब प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त नमूना वन्य प्राणियों तथा वनस्पति संरक्षण के लिए उस राज्य द्वारा बनाए कानूनों का उल्लंघन करते हुए प्राप्त न किया गया हो ;

(ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि वन्यप्राणियों की किसी भी जीवित किस्म को जलयान द्वारा इस प्रकार भेजा जाएगा कि उन्हें चोट लगने या उनका स्वास्थ्य खराब होने या उनके साथ निर्दयता की कम से कम संभावना हो।

(4) उक्त अभिसमय के परिशिष्ट 1 में शामिल प्राणियों की किस्मों के किसी भी नमूने के आयात के लिए पहले से आयात परमिट और या तो आयात परमिट अथवा एक पुनर्निर्यात प्रमाण-पत्र प्रदान करना और प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आयात की अनुमति केवल तब ही दी जायेगी जब निम्नलिखित शर्तें पूरी हो।

(क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त नमूने का उपयोग वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए नहीं किया जायेगा।

5. अभिसमय के परिशिष्ट 1 में शामिल किसी भी प्राणि के नमूने के पुनर्निर्यात के लिए यह आवश्यक होगा कि पहले से एक पुनर्निर्यात प्रमाण पत्र प्रदान किया जाय और प्रस्तुत किया जाये। ऐसा पुनर्निर्यात प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तें पूरी करने पर ही दिया जायेगा :—

(क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि उस राज्य में नमूने का आयात वर्तमान अभिसमय के उपबंधों के अनुसार किया गया था।

(ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि किसी जीवित प्राणी का नमूना जलयान द्वारा इस प्रकार भेजा जायेगा कि उसे चोट लगने, उसका स्वास्थ्य खराब होने या उसके साथ निर्दयता की संभावना कम-से-कम हो।

(ग) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि किसी भी जीवित प्राणी के नमूने के लिए आयात परमिट मंजूर किया गया हो।

(6) अभिसमय के परिशिष्ट 1 में शामिल किए गए किसी भी किस्म के नमूने को समुद्र में भेजने के लिए भेजने वाले राज्य के प्रबंध प्राधिकरण से एक प्रमाण-पत्र पहले ही मंजूर कराने की जरूरत होगी। प्रमाण-पत्र तभी मंजूर किया जाएगा जब नीचे लिखी शर्तें पूरी कर दी जायें।

- (क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि जीवित प्राणी के नमूने के प्रस्तावित प्राप्तकर्ता के पास प्राणी को रखने और उसकी देखभाल करने के लिए उपयुक्त साधन हैं।
- (ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि नमूने का प्रयोग मुख्य रूप से वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए नहीं किया जाएगा।
- (7) अभिसमय की परिशिष्ट 2 में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने का दुबारा निर्यात करने के लिए दुबारा निर्यात करने सम्बन्धी एक प्रमाण-पत्र पहले मंजूर कराने और उसे पेश करने की जरूरत होगी। दुबारा निर्यात करने संबंधी प्रमाण-पत्र नीचे लिखी शर्तें पूरी करने पर ही मंजूर किया जाएगा :—
- (क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि राज्य में नमूने का आयात वर्तमान अभिसमय के उपबन्धों के अनुसार किया गया है, और
- (ख) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि किसी जीवित प्राणी का नमूना जलयान द्वारा इस प्रकार भेजा जाएगा कि उसे चोट लगने, उसका स्वास्थ्य खराब होने या उसके प्रति निर्दय व्यवहार का जोखिम कम-से-कम हो।
- (8) अभिसमय की परिशिष्ट 2 में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने को समुद्र से भजने के लिए प्रबंध प्राधिकरण से पहले ही एक प्रमाण-पत्र मंजूर कराने की जरूरत होगी। प्रमाण-पत्र नीचे लिखी शर्तें पूरी करने पर ही मंजूर किया जाएगा :—
- (क) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि कोई भी नमूना इस प्रकार संभाला जाएगा कि उसे चोट लगने, उसका स्वास्थ्य खराब होने या उसके प्रति निर्दय व्यवहार का जोखिम कम-से-कम हो।
- (9) प्रबंध प्राधिकरण अभिसमय के अनुच्छेद 3, 4 और 5 की शर्तों में छूट दे सकता है और ऐसे नमूनों की परमिट या प्रमाण-पत्र के बिना दुलाई की अनुमति दे सकता है जिसमें चलता-फिरता चिड़ियाघर, सर्कस, वन्य-प्राणि, वनस्पति प्रदर्शनी या अन्य चलती-फिरती प्रदर्शनी शामिल है, बशर्त कि—
- (क) निर्यातकर्ता या आयातकर्ता ऐसे नमूनों का पूरा व्यौरा प्रबंध प्राधिकरण के पास रजिस्टर करायें,
- (ख) नमूने अभिसमय के अनुच्छेद 7 के पैरा 2 या 5 में विनिर्दिष्ट किसी भी श्रेणी के अनुरूप हों।
- (ग) प्रबंध प्राधिकरण इस बात से संतुष्ट हो कि किसी भी जीवित प्राणी का नमूना इस प्रकार भेजा जाएगा और उसकी इस प्रकार देखभाल की जाएगी कि उसे चोट लगने, उसका स्वास्थ्य खराब होने या उसके प्रति निर्दय व्यवहार का जोखिम कम-से-कम हो।
- (10) जहां किसी जीवित प्राणी का नमूना अभिसमय के अनुच्छेद 8 के पैरा 1 में बताए गए उपायों के फलस्वरूप जब्त कर लिया जाए, वहां;
- (क) वह नमूना जब्त करन वाले राज्य के प्रबंध प्राधिकरण को सौंप दिया जाएगा ;

- (ख) प्रबंध प्राधिकरण निर्यातकर्ता राज्य के परामर्श से नमूने को उस राज्य को उसी के खर्चे पर या एक बचाव केन्द्र पर श्रवण किसी ऐसे स्थान पर लौटा देगा जिसे प्रबंध प्राधिकरण उपयुक्त समझे और जो वर्तमान अभिसमय के प्रयोजनों के अनुरूप हो; और
- (ग) प्रबंध प्राधिकरण किसी वैज्ञानिक प्राधिकरण की राय ले सकता है और जब भी वह जरूरी समझे, सचिवालय से परामर्श कर सकता है, ताकि इस पैरा के उप-पैरा (ख) के अन्तर्गत सुविधापूर्वक निर्णय लिया जा सके, जिसमें एक बचाव केन्द्र या अन्य स्थान भी शामिल है।

(11) प्रबंध प्राधिकरण इस अभिसमय के प्रयोजन के लिए संरक्षण केन्द्र नामोहिष्ट करेगा।

(12) अभिसमय के क्रियान्वयन में सम्बन्धित और भारत सरकार द्वारा सौंपा गया कोई भी अन्य कार्य।

वैज्ञानिक प्राधिकरण

(1) अभिसमय की परिशिष्ट 1 में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने के निर्यात के लिए एक निर्यात परमिट पहले ही मंजूर करवाकर प्रस्तुत करना होगा। निर्यात परमिट नीचे लिखी शर्तें पूरी करने पर ही मंजूर किया जाएगा :—

(क) वैज्ञानिक प्राधिकरण ने सलाह दी है कि ऐसे निर्यात से उस किस्म के जीवित बचे रहने के संबंध में कोई खतरा नहीं होगा।

(2) अभिसमय के परिशिष्ट I में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने के आयात के लिये आयात परमिट तथा निर्यात परमिट या पुनः निर्यात प्रमाण-पत्र के पहले लेने और उसे पेश करने की आवश्यकता होगी। आयात परमिट तभी स्वीकृत किया जायेगा जबकि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जायें :—

(क) वैज्ञानिक प्राधिकरण ने सलाह दी है कि आयात उन उद्देश्यों के लिए किया जायगा, जो संबंधित किस्मों के जीवन के लिये अहितकर न हो,

(ख) वैज्ञानिक प्राधिकरण को संतोष है कि जीवित नमूने के प्रस्तावित प्राप्तकर्ता के पास इन्हें रखने तथा इनकी देखभाल करने के लिये उचित व्यवस्था है, और

(3) अभिसमय के परिशिष्ट I में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने को समुद्र से भजने के लिए भेजने वाले राज्य के प्रबंध प्राधिकरण से एक प्रमाण-पत्र पहले ही लेना होगा। प्रमाण-पत्र केवल तभी दिया जायेगा, जबकि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जायें :—

(क) वैज्ञानिक प्राधिकरण प्रमाणित करता है कि किस्म को भोजना संबंधित किस्मों के जीवन के लिये अहितकर नहीं होगा।

(4) अभिसमय के परिशिष्ट II में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने के निर्यात के लिए निर्यात संबंधी परमिट की पूर्व स्वीकृति और उसे प्रस्तुत करना होगा। निर्यात संबंधी परमिट केवल तभी दिया जायेगा, जबकि निम्नलिखित शर्तें पूरी की जायें :—

(क) वैज्ञानिक प्राधिकरण ने सलाह दी है कि ऐसा निर्यात उन किस्मों के जीवन के लिये अहितकर नहीं होगा,

(5) प्रत्येक पार्टी (निर्यातक तथा आयातक दोनों) के वैज्ञानिक प्राधिकरण अभिसमय के परिशिष्ट II में शामिल की गई किस्मों के नमूनों के लिए उस राज्य द्वारा स्वीकृत किए गए निर्यात संबंधी परमिटों और ऐसी किस्मों के वास्तविक निर्यात दोनों की व्यवस्था करेगा। जब कभी वैज्ञानिक प्राधिकरण निर्धारित करता है कि ऐसी किस्मों के नमूनों का निर्यात सीमित होना चाहिए, ताकि यह देखा जा सके कि किस्में अपनी सारी परिसीमा में पारिस्थितिक प्रणालियों, जिसमें यह प्रक्रिया है, में अपनी भूमिका के अनुरूप स्तर पर है और उस स्तर से काफी ऊपर है जिस पर किये किस्में अभिसमय के परिशिष्ट I में शामिल करने के लिए उपयुक्त हों तो वैज्ञानिक प्राधिकरण उन किस्मों के नमूनों के लिए निर्यात संबंधी परमिटों की स्वीकृति सीमित करने के लिए किए जाने वाले उचित उपायों के संबंध में समुचित प्रबंध प्राधिकरण को सलाह देगा।

(6) अभिसमय के परिशिष्ट II में शामिल की गई किस्मों के किसी नमूने को समुद्र से भोजन के लिए भेजने वाले राज्य के प्रबंध प्राधिकरण से एक प्रमाण-पत्र पहले लेना होगा। प्रमाण-पत्र तभी दिया जायेगा, जबकि निम्नलिखित शर्त पूरी की जाये:—

(क) वैज्ञानिक प्राधिकरण ने सलाह दी है कि किस्मों को भोजना संबंधित किस्मों के जीवन के लिये अहितकर नहीं होगा,

(7) अभिसमय के क्रियान्वयन के संबंध में कोई अन्य कार्य, जो भारत सरकार इसे सौंपे।

5. प्रबंध प्राधिकरण तथा वैज्ञानिक प्राधिकरण का गठन निम्नलिखित रूप से होगा:—

1. प्रबंध प्राधिकरण :
 1. भारत सरकार के वन महानिरीक्षक, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) कृषि भवन, नई दिल्ली।
 2. वन्य प्राणि परिरक्षण निदेशक, भारत सरकार, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) कृषि भवन, नई दिल्ली।
2. वैज्ञानिक प्राधिकरण :
 1. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग, पो० ओ० बोटैनिक गार्डन, हावड़ा-711103।
 2. भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग, 34, चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता।
 3. केन्द्रीय समुद्रीय मात्स्यकी अनुसंधान संस्थान, कोचीन।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सब संबंधित अधिकारियों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सार्वजनिक सूचना के लिए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० के० सेठ

वन महानिरीक्षक तथा पदेन अपर सचिव

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1976

संकल्प

सं० 43-157/73-एल० डी० टी०—भारत सरकार मुर्गी पालन का विकास तेज करने के उपायों पर विचार करती रही है। अधिक उत्पादन देने वाले वाणिज्यिक किस्म के चूजों की बढ़ती हुई मांग पूरी करने के लिये अनेक प्राइवेट उद्यमियों को विदेशों में स्थित मुर्गी प्रजनन फार्मों के सहयोग से “फ्रेचरज” हैचरियां स्थापित करने की अनुमति दी गई थी। ये हैचरियां वाणिज्यिक किस्म के चूजों के उत्पादन के लिए निश्चित अवधि में “ग्रांड पेरेन्ट”/“पेरेन्ट” स्टॉक आयात करती हैं।

बाद में ऐसे स्टॉक के नियमित आयात पर निर्भरता कम करने और आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के लिए सीधे खरीद के आधार पर आधारी स्टॉक का एक ही बार आयात करके देश में मूल प्रजननफार्म स्थापित करने के प्रस्तावों को तरजीह दी गई। ऐसे तीन संगठन पहले ही देश में “ग्रांड पेरेन्ट” / “पेरेन्ट” स्टॉक का उत्पादन कर रहे हैं। इसके साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन में मुर्गी प्रजनन कार्यक्रमों को भी मजबूत बनाने के उपाय किए गए हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से चौथी पंचवर्षीय योजना से एक अखिल भारतीय समन्वित मुर्गी प्रजनन परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य यह है कि आनुवंशिक तौर पर बेहतर अंडे और मांस देने वाली किस्मों के चूजों का विकास किया जाए। इसी अवधि में कृषि विभाग तथा राज्य सरकारों के फार्मों के प्रशासनिक और तकनीकी नियंत्रण में तीनों केन्द्रीय मुर्गी प्रजनन फार्मों में चुने हुए मुर्गी प्रजनन कार्यक्रम भी हाथ में लिए गए थे। इन सभी कार्यक्रमों के फलस्वरूप कुछ उत्साहवर्धक किस्मों का विकास पहले ही कर लिया गया है। तथापि, अधिक उत्पादन देने वाली मुर्गियों की आवश्यकता पूरी करने के लिए इनके और आगे सुधार के लिए लगातार प्रयास करते रहने की जरूरत है।

भारत सरकार ने प्राइवेट तथा सार्वजनिक क्षेत्र के मूल प्रजनन फार्मों के कार्य-निष्पादन को देखरेख करने के लिए मुर्गी प्रजनन विशेषज्ञों की एक स्थायी समिति गठित करने का फैसला किया है।

2. समिति के कार्य

यह समिति एक सलाहकार निकाय होगी और नीचे लिखे काम करेगी।

- (1) प्राइवेट और सार्वजनिक क्षेत्र के मुर्गी प्रजनन संगठनों द्वारा विकसित अंडे और मांस देने वाली किस्मों की मूल प्रजनक मुर्गियों और वाणिज्यिक संकर किस्मों के कार्य-निष्पादन का लगातार जायजा लेना।
- (2) मुर्गी प्रजनन कार्यक्रमों पर सूचना के आदान-प्रदान हेतु एक फोरम के तौर पर काम करना।
- (3) देश में मुर्गी प्रजनन संगठनों के लाभ के लिए मुर्गी प्रजनन क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए मार्ग-दर्शी सिद्धांत निर्धारित करना।
- (4) मुर्गियों के आयात के संबंध में सरकार को सलाह देना।

(5) परीक्षण की हुई मुगिया निर्मुक्त करने के संबंध में नीति निर्धारित करना।

(6) समिति को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर सौंपा जाने वाला कोई भी अन्य कार्य।

3. गठन

इस समिति के सदस्य नीचे लिखे व्यक्ति होंगे :

- | | |
|---|-------------------|
| 1. पशुपालन आयुक्त एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव, कृषि विभाग | अध्यक्ष (पदेन) |
| 2. परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय मुर्गी प्रजनन परियोजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् | सदस्य (पदेन) |
| 3. एक निदेशक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्म कृषि विभाग | (सदस्य) (पदेन) |
| 4. प्राइवेट क्षेत्र के मूल प्रजनन फार्मों से एक मुर्गी प्रजनन विशेषज्ञ | सदस्य |
| 5. "ग्रैंड पेरेंट" आयात करने वाली प्राइवेट क्षेत्र की हैचरियों से एक मुर्गी प्रजनन विशेषज्ञ | सदस्य |
| 6. कृषि विश्वविद्यालयों से एक मुर्गी प्रजनन विशेषज्ञ | सदस्य |
| 7. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से एक मुर्गी प्रजनन विशेषज्ञ | सदस्य |
| 8. संयुक्त आयुक्त (कुक्कुट पालन) कृषि विभाग | सदस्य-सचिव (पदेन) |

क्रम सं० 3 से 7 तक के सदस्यों को भारत सरकार बारी-बारी से दो वर्ष की अवधि के लिए नामजद करेगी।

आदेश

(1) आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्यों सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, कृषि विश्वविद्यालयों और प्राइवेट क्षेत्र के मुर्गी प्रजनन फार्मों/हैचरियों को भेज दी जाए।

(2) यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

कुलदीप सिंह नारंग, सचिव

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० एफ० 20014/2/76-फेट—श्री मोहन सिंह, जिन्हें 18/19 मई, 1973 की अधिसूचना सं० 10-1/75-फेट के अनुसार नामजद किया गया था कि सदस्यता की अवधि समाप्त होने पर, राजस्थान के जिला नागौर में देगना के विधान सभा के सदस्य श्री राम रघुनाथ चौधरी को 6 अगस्त, 1975 के संकल्प सं० 10-4/74-फेट के अन्तर्गत पुनर्गठित राष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन विषय सम्पर्क समिति में इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए ग्रामीण लोक हितों के प्रतिनिधि के रूप में नामजद किया जाता है।

आर० टी० थडानी, अवसर सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1976

सं० एफ० 9-1/76-यू०-3—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 के 3) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयोग के परामर्श पर यह घोषणा करती है कि गांधी ग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधी ग्राम को उपरोक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय के रूप में समझा जायेगा।

अनिल बोदिया, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1976

संकल्प

सं० ई० आर० बी०-1/76/21/86—रेल श्रम तथा रेल प्रशासन के बीच विवादों को निपटाने के लिए भारत सरकार द्वारा 1951 में गठित स्थायी वार्ता तन्त्र की यह व्यवस्था है कि यदि किसी महत्वपूर्ण मामले पर रेलवे बोर्ड और रेल श्रम महासंघों के बीच विचार-विमर्श के पश्चात् यदि दोनों पक्षों में मतैक्य न हो सके तो ऐसे मामले एक तदर्थ रेलवे अधिकरण, जिसमें रेल श्रम और रेलवे बोर्ड के प्रतिनिधियों की समान संख्या होगी और इसकी अध्यक्षता एक तटस्थ व्यक्ति द्वारा की जायगी, को सौंप दिया जाएगा।

2. कारखानों में तकनीकी शाखाओं में कारीगर कर्मचारियों के कामों के वर्तमान वर्गीकरण एवं सभी विभागों के अनुरक्षण तथा निर्धारित व्यवसाय परीक्षा तथा एकरूप पदनामों की आवश्यकता पर सरकार का ध्यान लगा रहा है और संगठित श्रम द्वारा इनकी समीक्षा की मांग की जाती रही है।

3. तदनुसार भारत सरकार ने एक अधिकरण बनाने का निश्चय किया है जिसके अध्यक्ष श्री एन० एन० टण्डन, सेवानिवृत्त सदस्य (यांत्रिक) रेलवे बोर्ड होंगे तथा संगठित श्रमों अर्थात् नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवेमैन तथा आल इंडिया रेलवेमैनस फेडरेशन, प्रत्येक में से एक-एक सदस्य तथा दो सदस्य रेलों की ओर से मनोनीत होंगे। अधिकरण को 'रेल कर्मचारी वर्गीकरण अधिकरण, 1976' के नाम से जाना जाएगा।

4. अधिकरण के विचारार्थ निम्नलिखित विषय होंगे :—

(क) कारखानों की सभी तकनीकी शाखाओं में कारीगर कर्मचारियों के कामों के वर्गीकरण और सभी विभागों अर्थात् यांत्रिक, सिगनल एवं दूर संचार, सिविल इंजीनियरी और बिजली इंजीनियरी और सभी अन्य क्षेत्रों, जहां कारीगर कर्मचारी कार्यरत हों, की समीक्षा करना एवं जहां आवश्यक हो अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल एवं अति कुशल कर्मचारियों के वर्तमान वर्गीकरण में संशोधन की सिफारिश करना।

(ख) मानक व्यवसाय परीक्षाओं को संशोधित एवं अद्यतन करना तथा जहां आवश्यक हो नयी व्यवसाय परीक्षाएं निर्धारित करना।

(ग) ऐसे कर्मचारियों के लिए एक रूप पदनामों की सिफारिश करना जो विभिन्न रेलों पर एक ही प्रकार का काम करते हों परन्तु उनके पदनाम भिन्न हैं ।

5. अधिकरण, संदर्भ की शर्तों के दायरे में रहते हुए अपनी स्वतन्त्र कार्य विधि अपना सकेगा । अधिकरण अपनी पहली बैठक से 6 महीने की अवधि भीतर अपना कार्य पूरा कर लेगा ।

6. अधिकरण का निर्माण स्थायी वार्ता तन्त्र की प्रसार योजना के अन्तर्गत होते हुए और इस प्रकार रेल मंत्रालय के पत्र सं० ई० 51 एफ० ई० 1-22 दिनांक 24-12-1951 के पैरा 3(x) की अनुरूपता के अनुसार सरकार को यह अधिकार होगा कि वह अधिकरण का निर्णय स्वीकार, रद्द या संशोधित कर सकती है ।

आदेश

आदेश दिया गया है कि ग्राम सूचना के लिए यह संकल्प, भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय ।

बी० मोहनती, सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1976

संकल्प

सं० हिन्दी/73/जी०-28/2—रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के संबंध में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के 25-7-1974 के संकल्प सं० हिन्दी/73/जी०-28/2 के क्रम में भारत सरकार ने विनिश्चय किया है कि संसद की सदस्यता से मुक्त हो जाने के पश्चात् श्री चक्रपाणि शुक्ल, रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति की वर्तमान अवधि तक समिति में गैर सरकारी सदस्य के रूप में कार्य करते रहेंगे ।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधान-मंत्री सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्व साधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

सं० क० रामनाथन, संयुक्त सचिव रेलवे बोर्ड

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 अगस्त 1976

संकल्प

सं० 1(43)/76-राहत पश्चिम—भारत सरकार के अधीन पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, (पुनर्वास विभाग) के संकल्प संख्या 1/56/73-राहत पश्चिम दिनांक पहली मार्च, 1974 द्वारा स्थापित किए गए छम्ब विस्थापित व्यक्ति पुनर्वास प्राधिकरण में, संयुक्त सचिव वित्त मंत्रालय के स्थान पर, भारत सरकार ने पुनर्वास विभाग के वित्त सलाहकार को पदेन सदस्य के रूप में नामित करने का निश्चय किया है ।

2. पुनर्वास विभाग के वित्त सलाहकार के छम्ब विस्थापित व्यक्ति पुनर्वास प्राधिकरण में वही कार्यकलाप होंगे जिनका पहले संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय द्वारा निष्पादन किया जाता था ।

आदेश

आदेश दिया जाता है की संकल्प की प्रति निम्नलिखित को भेज दी जाए:-

1. छम्ब विस्थापित व्यक्ति पुनर्वास प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा सदस्य ।
2. मुख्य सचिव, जम्मू और कश्मीर सरकार, श्रीनगर ।
3. श्री यू० वैदयानाथन, वित्त सलाहकार, पुनर्वास विभाग, नई दिल्ली ।
4. सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग)
5. पुनर्वास मंत्री/पुनर्वास उपमंत्री/सचिव के निजी सचिव ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए ।

न० वे० सुन्दररामन, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 31st August 1976

No. 75-Pres/76.—The President is pleased to direct that, with immediate effect, the following amendments shall be made in the rules governing the awards of "राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक—President's Home Guards and Civil Defence Medal" and "गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक—Home Guards and Civil Defence Medal", published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 19th October, 1974, vide Notification No. 101-Pres./74, dated the 7th October, 1974 :—

1. "राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक—President's Home Guards and Civil Defence Medal"

In Rule (5) add the following after the words "the Monetary grant should be paid to the widow (the first married wife having preference)" :

When the award is made posthumously to a bachelor the monetary grant shall be paid to his father or mother and in case the posthumous awardee is a widower, to his son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be.

2. "गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक—Home Guards and Civil Defence Medal"

In Rule (5) add the following after the words "the monetary grant should be paid to the widow (the first married wife having preference)" :

When the award is made posthumously to a bachelor the monetary grant shall be paid to his father or mother and in case the posthumous awardee is a widower, to his son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be.

No. 76-Pres.76.—The President is pleased to direct that, with immediate effect, the following amendments shall be made in the rules governing the awards of the "राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक—President's Fire Services Medal" and the "अग्नि शमन सेवा पदक—Fire Services Medal" published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated 31st May, 1975 vide Notification No. 41-Pres./75, dated the 19th May, 1975 :

1. "राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक—President's Fire Services Medal"

Under Rule (5) add the following as sub-rule (e) :

(e) When the award is made posthumously to a bachelor, the monetary allowance shall be paid from the date of the act for which the award is made to his father or mother and in case the posthumous awardee is a widower, the allowance shall be paid to his son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be.

2. "अग्नि शमन सेवा पदक—Fire Services Medal"

Under Rule (5) add the following as sub-rule (c) :

(c) When the award is made posthumously to a bachelor, the monetary allowance shall be paid from the date of the act for which the award is made to his

father or mother and in case the posthumous awardee is a widower, the allowance shall be paid to his son below 18 years or unmarried daughter, as the case may be.

No. 77-Pres.76.—The Police Medal for meritorious service awarded to Shri Raman Kaliyappan, Superintendent of Police and Deputy Commissioner of Police, Headquarters, Madras City, Tamil Nadu, in the President's Secretariat Notification

No. 8-Pres./75, dated the 26th January, 1975 published at page 56 of Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 1st February, 1975 is hereby cancelled and the medal forfeited under Rule 8 of the Rules governing the award of the Police Medal.

S. NILAKANTAN,
Dy. Secy. to the President.

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 23rd August, 1976

CORRIGENDUM

No. 13018/1/76-AIS(I)—In the Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 13018/1/76AIS-(I) dated the 27th March 1976, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India of 27th March, 1976, the following changes may be effected :—

| Reference | For | Read |
|---|--|------------------------|
| 1. Page 285, Col. 2, rule 7(b)(iv), line 4 | India-Ceylon | Indo-Ceylon |
| 2. Page 286, Col. 1, rule 7(b)(v), line 5 | India-Ceylon | Indo-Ceylon |
| 3. Page 286, Col. 1, rule 7(b)(vi), line 3 | Or | and |
| 4. Page 286, Col. 1, rule 8, line 1 | Between the words 'Candidate' and 'hold' insert the word 'must' | |
| 5. Page 286, Col. 2, in the cage below rule 9, last line of item (iii) under 3rd sub-column | The word 'in' may be <i>deleted</i> . | |
| 6. Page 286, Col. 2, rule 11, line 2 | Permanent or a temporary | Permanent or temporary |
| 7. Page 286, Col. 2, rule 11, line 6 | the same to the | them |
| 8. Page 287, Col. 1, proviso to rule 16, line | Between the words 'Castes' and 'Scheduled Tribes' insert the words 'or the' | |
| 9. Page 287, Col. 1, proviso to rule 16, line 4 | The word 'candidates' may be <i>deleted</i> . | |
| 10. Page 287, Col. 1, rule 18, line 3 | After the last word 'Services' the words 'at the time of his application' may be <i>inserted</i> . | |
| 11. Page 287, Col. 2, Note below rule 20, line 2 | a medical | A Government medical |
| 12. Page 287, Col. 2, proviso to rule 21, line 3, for the words | and to the | and the |
| 13. Page 288, Col. 1, para 7, line 3 | student | student |
| 14. Page 288, Col. 1, para 10, line 4 | Vidyala | Vidyalaya |
| 15. Page 290, Col. 1, Note II, line 1 below para 1 | Opinion | Option |
| 16. Page 290, Col. 2 below Part B under subject (1) Algebra, line 4. | Cartesian | Cartesian |
| 17. Page 291, Col. 1 under subject applied Mathematics (Code 02) para (1) Vector Analysis, line 3 | Carresian | Cartesian |
| 18. Page 291, Col. 2 under heading III. <i>Sampling distribution and statistical inference</i> , para 2, line 2 | Variated | variates |
| 19. Page 291, Col. 2 under heading III. <i>Sampling distribution and statistical inference</i> , para 4, 2nd line | Likelihood | likelihood |
| 20. Page 292, Col. 2 under subject BOTANY, para 6, 4th line | spices | species |
| 21. Page 292, Col. 2 under subject GEOLOGY, Para 2, 2nd line | fold | folds |
| 22. Page 292, Col. 2 under heading <i>Geography</i> para 1, 4th line last word | cyclo | cycle |
| 23. Page 293, Col. 2 under heading WORLD HISTORY, para 1, 1st line | round | sound |
| 24. Page 293, Col. 2 under heading PSYCHOLOGY, para 7, 1st line | Otiology | etiology |
| 25. Page 297, Col. 1 under heading INDIAN HISTORY I, para 2, line 1 | Madha | Magdha |
| 26. Page 297, Col. 2 under sub-heading Cultural, Religious, Economic and Social Life, para 1, line 1 | architectural | architecture |
| 27. Page 297, Col. 2 under heading EUROPEAN HISTORY, para 4, last word | Questions | Question |
| 28. Page 298, Col. 1, 1st line | imperial | imperial |
| 29. Page 298, Col. 1 under heading POLITICAL THEORY FROM HOBBS TO PRESENT DAY, para 1, 5th line | Conservation | Conservatism |
| 30. Page 299, Col. 1 against heading JURISPRUDENCE— | (CODE 73) | (CODE-72) |
| 31. Page 300, Col. 1, Para 2, 4th line | derivation | deviation |
| 32. Page 300, Col. 2, under sub-heading Senior Scale, last para, 1st line | The last word 'be' may be <i>deleted</i> . | |

| Reference | For | Read |
|---|--|--|
| 33. Page 300, Col. II under item (i) Retirement Benefit—3rd line | (Leave) Rules, 1955 | (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958. |
| 34. Page 302, Col. II under heading Indian Audit and Accounts Service, para (d) 8th line | unless | under |
| 35. Page 303, Col. II under heading Indian Defence Accounts Service Note 3, line 3 after Mussoorie | the increment | the first increment |
| 36. Page 303, Col. 2, under heading Indian Defence Accounts Service—Note 3, 4th line | The first word 'raising' may be | deleted |
| 37. Page 304, Col. 2, 1st line | Appraised | apprised |
| 38. Page 305, Col. 1 under sub-head(c) Scales of Pay, para (g) 5th line | Between the words 'would and 'no' insert the word 'have' | |
| 39. Page 309, Col. I against Sl. No. 18, after the word Civilian | Sta ^q | Staff |
| 40. Page 310, Col. 1, under heading 21, para (a), 5th line | administration | administrator |
| 41. Page 310, Col. 2, under Appendix IV, under heading B. Non-TECHNICAL para 1, 3rd line after word 'Tax' | Officer | Officers |
| 42. Page 312, Col. 2, under heading Method of taking Blood Pressure—para 1, 5th line | living | lying |
| 43. Page 313, Col. 1, Para (6) (ii) last line | Temporarily | Temporarily unfit |
| 44. Page 313, Col. 2, below sub-para (b) | (e) that there is no evidence of any abdominal disease; | (c) that his teeth are in good order and that he is |
| 45. Page 313, Col. 2, below sub-para (d) | (c) that his teeth are in good order and that he is | (c) that there is not evidence of any abdominal disease; |
| 46. Page 314, Col. 2, para 2(a) 3rd line | Naga and | Nagaland |
| 47. Page 315, Col. 1, against serial No. 8 | Circulatory | Circulatory |
| 48. Page 315, Col. 2, serial No. 15(c) (ii), line 1 and 2 | in respects | in all respects |

R. C. SAMAL, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi 110001, the 23 August 1976

No. 13019/3/76-G.P. The President is pleased to nominate the following members to the Home Minister's Advisory Committee for the Union Territory of Chandigarh for the year 1976-77 :—

Ex-officio Members

- (1) Shri T. N. Chaturvedi, Chief Commissioner, Chandigarh Administration, Chandigarh.
- (2) Shri A. N. Vidyalkar, M.P.
- (3) Dr. R. C. Paul, Vice Chancellor, Punjab University, Chandigarh.

Non-official Members

- (1) Shri Bhopal Singh, President, Territorial Congress Committee, Chandigarh.
- (2) Shri P. L. Verma, Retired Chief Engineer, Capital Project, Chandigarh.
- (3) Sardar Diljang Singh Jauhar, Retired Deputy Secretary (Punjab Vidhan Sabha), Chandigarh.
- (4) Smt. Kanta Saroop Krishen.
- (5) Shri Daulat Ram Sharma.

R. D. KAPUR, Dy Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF EXPORT PRODUCTION)

New Delhi, the 19th August, 1976

No. 4(1)/73-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri P. K. Kaul, Additional Secretary, Ministry of Commerce, as President of the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone Board *vice* Shri R. Tirumalai and makes the following amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No. 16(2)/73-TAFP dated the 20th January, 1973, namely :—

In the said Notification for the entry against serial number 1, the following entry shall be *substituted*, namely :—

"J. Shri P. K. Kaul,
Additional Secretary,
Ministry of Commerce."

No. 4(1)/76-EPZ.—The Central Government hereby appoints Shri P. K. Kaul, Additional Secretary, Ministry of Commerce, as a Member of the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone Authority *vice* Shri R. Tirumalai and makes the following further amendment in the Government of India, Ministry of Commerce Notification No. 4(1)/73-EPZ dated the 15th February, 1973 namely :—

In the said notification for the entry against serial number (viii), the following entry shall be substituted, namely :—

"(viii) Shri P. K. Kaul,
Additional Secretary,
Ministry of Commerce."

U. K. KURLEKAR, Dy. Director

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

New Delhi, the 12th August 1976

No. 1/15/75-Cte.—Prof. G. S. Ramaswamy, Director, Structural Engineering Research (Regional) Centre, Madras and Dr. N. K. Jain, Director, Tocklai Experimental Station, Cinnamara, Jorhat have been nominated as Chairmen of the Co-ordination Council Engineering Group and Biological Sciences Group respectively with effect from 16-8-76. Consequently, the name and designation of Prof. Diresh Mohan and Dr. S. H. Zaidi appearing in brackets under S. No. 6(a) and 6(b) of Notification No. 1/15/75-Cte dated 23-8-75 published in Part I, Section I of the Gazette of India regarding reconstitution of the Governing Body of Council of Scientific and Industrial Research be and are hereby replaced with Prof. G. S. Ramaswamy, Director, Structural Engineering Research (Regional) Centre, Madras and Dr. N. K. Jain, Director, Tocklai Experimental Station, Cinnamara, Jorhat respectively.

Y. NAYUDAMMA, Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

New Delhi, the 11th September 1976

RULES

No. A-12025/6/76-M2.—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1977 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of the Ministry of Agriculture and Irrigation, published for general information:—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

- (i) Geologist (Junior), Group A, and
- (ii) Assistant Geologist, Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture and Irrigation)

- (i) Junior Hydrogeologist, Group A
- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 31st August, 1977.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971; the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either.—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b) (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1977, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1947 and not later than 1st January 1956.

(b) The upper age limit will be relaxable by 4 years in the case of Government servants of the following categories if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in Column II.

(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department for at least three years on 1st January, 1977. For the purpose of reckoning three years continuous service, service rendered both in Geological Survey of India and Central Ground Water Board will be taken into account provided there is no break in service.

| Column I | Column II |
|----------------------------|---|
| Geological Survey of India | Geologist (Junior), Group A Assistant Geologist, Group B |
| Central Ground Water Board | Junior Hydrogeologist, Group A Assistant Hydrogeologist, Group B |

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable:—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 26th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 26th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda

and the United Republic of Tanzania or a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaïre and Ethiopia;

- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Masters' degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th July, 1977.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure 1 to the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, will be required to submit a "No Objection Certificate" from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure II to the Commission's Notice.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak-hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

A. S. DESHPANDE, Under Secretary

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

Part II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

| Subject | Time allowed | Maximum Marks |
|---|--------------|---------------|
| (i) English (including Essay and Precis writing) | 3 hrs. | 100 |
| (ii) General Knowledge and Current Affairs | 2 hrs. | 100 |
| (iii) General Geology, Geomorphology and Structural Geology | 3 hrs. | 200 |
| (iv) Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geochemistry | 3 hrs. | 200 |
| (v) Stratigraphy and Palaeontology | 3 hrs. | 200 |
| (vi) Economic Geology, Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration and Mineral Economics | 3 hrs. | 200 |
| (vii) Hydrogeology | 3 hrs. | 200 |

N.B.—Candidates competing for the posts under both category I and category II will be required to offer all the seven subjects mentioned above. Candidates competing for Category I posts only will be required to offer the subjects at (i) to (vi) above and candidates competing for Category II posts only will be required to offer the subjects at (i) to (v) and (vii) above.

3. All papers must be answered in English.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

5. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the attached Schedule.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

9. Deductions up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

10. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the papers in English and General Knowledge and Current Affairs will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree/standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) *ENGLISH* (including essay and precis-writing)

Questions to test the understanding of and the power to write English. Passages will usually be set for summary or precis.

(2) GENERAL KNOWLEDGE AND CURRENT AFFAIRS

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of nature which candidates should be able to answer without special study.

(3) GENERAL GEOLOGY, GEOMORPHOLOGY AND STRUCTURAL GEOLOGY

1. *General Geology*.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Meteorites. Geosynclines and their classification. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midocean ridges. Coral reefs. Land stability. Orogeny and epeirogeny. Orogenic cycles.

2. *Geomorphology*.—Basic concepts and significance. Geomorphic processes and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Geomorphic features of the Indian subcontinent. Topography and its relation to structures. Terrain evaluation. Soils.

3. *Structural Geology*.—Physical properties of rocks. Stress and strain ellipsoid. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures and their significance. Lineation, foliation and joints. Plutons diapirs and salt domes. Recognition of tops and bottoms of beds. Unconformities, disastrophism. Petrofabric analysis and its graphic representation.

(4) CRYSTALLOGRAPHY, MINERALOGY, PETROLOGY AND GEOCHEMISTRY**A. CRYSTALLOGRAPHY**

Symmetry elements and classification of crystals. Projections, Spherical and Stereographic; Goniometry. 32 classes (Point groups). Space lattice and space groups. Basic principles of X-ray crystallography. Twinning and crystal imperfections.

B. MINERALOGY**(i) Descriptive**

Atomic structure. Packing and bonding in crystals. Atomic substitution—Type structures. Physical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals.

Structure and classification of silicates.

Study of the following minerals and groups :

Ortho-and ring silicates :

Olivine group, Garnet group, Epidote group and Melilite group. Zircon, Spinel, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline.

Chain silicates :

Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite.

Sheet silicates.

Mica group, Chlorite group and Clay minerals.

Framework silicates :

Feldspar group, Silica minerals, Feldspathoid group Zeolite group and Scapolite group.

Non-silicates :

Oxides, Hydroxides Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

(ii) Optical mineralogy :

General principles of optics; Optical accessories; refringence; birefringence; extinction angle; pieochroism; Optical ellipsoids; Optical axial angle; Optic orientation, Dispersion; Optic anomalies.

Universal stage and its uses.

C. PETROLOGY**(i) Igneous :**

Forms, structures, texture and classification. Description of important groups. Granite-Granodiorite-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite. Dolerites and Lamprophyres, Pegmatites and Aplites. Ijolite and Carbonatites. Rhyolite-Trachyte-Dacite. Andesites and Basalts.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas-Basaltic magma. Diversity of rocks. Assimilation. Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic rocks, Alkaline rocks, Carbonatites, Pegmatites and Lamprophyres.

(ii) Sedimentary :

Classification and composition of sedimentary rocks. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Provenance of sediments. Depositional environments, Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) Metamorphic :

Agents of metamorphism. Types, controls. Structures, grades and facies. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

D. GEOCHEMISTRY

Scope of Geochemistry, cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements in different types of rocks. Geochemistry of water.

Geochemistry of sedimentation, geochemical cycle and elementary principles of geochemical prospecting.

(5) STRATIGRAPHY AND PALAEOONTOLOGY**1. Stratigraphy :**

Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography with knowledge of the type sections of the various geological systems and major orogenic cycles. Gondwana system and general knowledge of its equivalents in other parts of Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan, Bangladesh and Sri Lanka). Correlation of the major Indian formations with critical study of the age problems of formations and features such as Vindhyan Group, Saline Series, Gondwana glaciation, Deccan Traps and Cretaceous-Tertiary Boundary.

2. Palaeontology :

(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates, with knowledge of corals, brachiopods, lamellibranchs, ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifers.

(b) Vertebrates : Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Plants : Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology : Its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(6) ECONOMIC GEOLOGY, INDIAN MINERAL DEPOSITS, MINERAL EXPLORATION AND MINERAL ECONOMICS**A. Economic Geology :**

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and paragenesis. A study of metallic and non-metallic

minerals. Fuels. Industrial rocks and minerals. Gems and semiprecious minerals.

B. Indian Mineral Deposits :

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

- (a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.
- (b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, Refractory minerals, Abrasives, and minerals for ceramics, glass, fertiliser and cement industries, Paint and Pigments and Building stones.
- (c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

C. Mineral Exploration and Mineral Economics :

- (a) Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits, sampling assaying, evaluation of prospects and application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.
- (b) Significance of minerals in national economy, use of various minerals in mineral and manufacturing industries; demand, supply and substitutes; production and price of major minerals in India; international aspects of mineral industries; strategic, critical and essential minerals. Fundamentals of mineral concession rules of India, conservation and national mineral policy.

(7) HYDROGEOLOGY

Hydrological Cycle.

Distribution of water in the earth's crust ;

Ground Water in hydrological cycle, Origin of ground waters, meteoric, juvenile and magmatic waters, springs classification of rocks with respect of water bearing characteristics, Hydro-stratigraphic units, Geological structures favouring ground water occurrence, Ground Water Provinces

Ground Water reservoirs—Aquifers, aquicludes, aquitards.

Hydrological properties of rocks (Ground Water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, Transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, Diffusivity, Barometric and Tidal efficiencies.

Classification of aquifers—unconfined, confined, leaky and Bounded aquifers, Coastal aquifers.

Methods of identification of ground water reservoir properties—Permeability, and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement—Water table, piezometric surface, Fluid potentials, density differences, hydrochemical (Osmotic) : Laws of ground water movement—Darcy's law.

Ground Water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge, conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance—techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield).

Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL

EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy

the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backward so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms: fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

| Distant Vision | | Near Vision | |
|----------------|-------------|-------------|-----------|
| Better eye | Worse eye | Better eye | Worse eye |
| 6/9 or 6/6 | 6/9 or 6/12 | 0.6 | 0.8 |

NOTE (1).—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2).—*Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3).—*Colour vision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

| Grade | Higher Grade of Colour perception | Lower Grade of Colour perception |
|---|-----------------------------------|----------------------------------|
| 1. Distant between the lamp and candidate | 4.9 metres | 4.9 metres |
| 2. Size of aperture | 1.3 mm. | 1.3 mm. |
| 3. Time of Exposure | 4 sec. | 5 sec. |

For the services concerned with safety of the Public, e.g. pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edrige Greens shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4).—*Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (6).—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is that applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The

candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanics membrane of Central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit.

Under improved conditions of Far Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic-perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/ on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging eardrum operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

(9) Otosclerosis If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid Fit.

(10) Congenital defects of ear, nose or throat. (i) If not interfering with functions Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured.

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note :—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)
state your age and birth place.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas Garhwals Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung ment to bed and medical or surgical treatment?

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

| Father's age, if living, and state of health | Father's age at death and cause of death | No. of brothers living, their ages and state of health | No. of brothers dead, their ages at and cause of death |
|--|--|--|--|
|--|--|--|--|

1.
2.

| Mother's age, if living and state of health | Mother's age at death and cause of death | No. of sisters living their ages and state of health | No. of sisters dead their ages at and cause of death |
|---|--|--|--|
|---|--|--|--|

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for?

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Results of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

Note :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate)

Physical examination

1. General development : Good..... Fair
Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight

Temperature

Girth of Chest :—

- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)
2. Skin : any obvious disease
3. Eyes
- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision.
- (4) Field of Vision
- (5) Fundus Examination
- (6) Visual Acuity
- (7) Ability for stereoscopic fusion

| Acuity of vision | Naked eye | With glasses | Strength of glasses | |
|--------------------------|-----------|--------------|---------------------|------------|
| | | | sph. | Cyl. Axis. |
| Distant Vision | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |
| Near Vision | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |
| Hypermetropia (Manifest) | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
- Left Ear
5. Glands Thyroid
6. Condition of teeth
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?
- If yes, explain fully
8. Circulatory System :
 - (a) Heart and organic lesions
 - Rate : Standing
 - After hopping 25 times
 - 2 minutes after hopping
 - (b) Blood Pressure : Systolic Diastolic
9. Abdomen : Girth
- Tenderness
- Hernia
- (a) Palpable Liver Spleen
- Kidneys Tumours
- (b) Haemorrhoids Fistula
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities
11. Loco-Motor System : Any abnormality
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.
- Urine Analysis :
 - (a) Physical appearance
 - (b) Sq. Gr.
 - (c) Albumen
 - (d) Sugar
 - (e) Casts
 - (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date :

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—

(i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750.

(v) Director General—Rs. 3,000 (fixed).

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay :—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Geologist (Group A Junior scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through D.P.C. by promotion from the next grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for Service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Junior Hydrogeologist, Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

(i) Junior Hydrogeologist—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Senior Hydrogeologist—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Director Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Chief Hydrogeologist—Rs. 2250—125—2500.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the Cadre of Junior hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through DPC by promotion from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for service anywhere in India or outside India.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 13th August 1976

RESOLUTION

No. J. 11015/3/76-FRY(WL).—Commercial exploitation has been a prime cause for the decline of wildlife not only in India but throughout the world. Export of a number of species of wildlife has been banned. However, smuggling of these commodities has been rampant. With a view to conserve species threatened by such trade, a Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora was signed on March 3, 1973 at Washington.

2. In Appendices I and II of Convention, only those species whose population is declining and which are threatened by international trade and those that are on the verge of extinction are included. The Appendix III of the Convention permits the signatory countries to extend the provision of this Convention to those species of their own wildlife which are considered to be in need of special protection. India signed this Convention in July, 1974. The Government of India have now decided to ratify this Convention and deposit the Instrument of Ratification with the Swiss Government who is the Depository State.

3. Article IX of the Convention provides that each party would designate for the purposes of this Convention :

- (a) One or more management authorities competent to grant permits or certificates on behalf of that party; and
- (b) One or more scientific authorities.

4. The functions of the Management Authority and the Scientific Authority will be as follows :—

Management Authority :

(1) The export of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant and presentation of an export permit. An export permit shall be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the specimen was not obtained in contravention of the laws of that State for the protection of Fauna and flora;
- (b) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so prepared and shipped as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment; and
- (c) Management Authority is satisfied that an import permit has been granted for the specimen.

(2) The export of any specimen of a species included in Appendix II of the Convention shall require the prior grant and presentation of an export permit. An export permit shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the specimen was not obtained in contravention of the laws for the protection of fauna and flora; and
- (b) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so prepared and shipped as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment.

(3) The export of any specimen of a species included in Appendix III of the Convention shall require the prior grant and presentation of an export permit. An export permit shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the Specimen was not obtained in contravention of the laws for the protection of fauna and flora; and
- (b) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so prepared and shipped as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment.

(4) The import of any Specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant and presentation of an import permit and either an export permit or a re-export certificate. An import shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the specimen is not to be used for primarily commercial purposes.

(5) The re-export of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant and presentation of a re-export certificate. A re-export certificate shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the specimen was imported into that State in accordance with the provisions of the present Convention;
- (b) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so prepared and shipped as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment; and
- (c) Management Authority is satisfied that an import permit has been granted for any living specimen.

(6) The introduction from the sea of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant of a certificate from a Management Authority of the State of introduction. A certificate shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the proposed recipient or a typed specimen is suitably equipped to house and care for it; and
- (b) Management Authority is satisfied that the specimen is not to be used for primarily commercial purposes.

(7) The re-export of any specimen of a species included in Appendix II of the Convention shall require the prior grant and presentation of a re-export certificate. A re-export certificate shall only be granted when the following condition have been met :

- (a) Management Authority is satisfied that the specimen was imported into the State in accordance with the provisions of the present Convention; and
- (b) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so prepared and shipped as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment.

(8) The introduction from the sea of any Specimen of a species included in Appendix II of the Convention shall require the prior grant or a certificate from a Management Authority. A certificate shall only be granted when the following conditions have been met.

- (a) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so handled as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment.

(9) Management Authority may waive the requirements of Article III, IV and V of the Convention and allow the movement without permits or certificates of specimens which form part of a travelling zoo, circus, menagerie, plant exhibition or other travelling exhibition provided that:

- (a) the exporter or importer registers full details of such specimens with the Management Authority;

(b) the specimens are in either of the categories specified in paragraphs 2 or 5 of Article VII of the Convention; and

(c) Management Authority is satisfied that any living specimen will be so transported and cared for as to minimize the risk of injury, damage to health or cruel treatment.

(10) Where a living specimen is confiscated as a result of measures referred in paragraph 1 of Article VIII of the Convention :

- (a) the specimen shall be entrusted to the Management Authority of the State of confiscation;
- (b) the Management Authority shall, after consultation with the State of export, return the specimen to that State at the expense of that State, or to a rescue centre or such other place as the Management Authority deems appropriate and consistent with the purposes of the present Convention; and
- (c) the Management Authority may obtain the advice of a Scientific Authority, or may, whenever it considers it desirable consult the Secretariat in order to facilitate the decision under sub-paragraph (b) of this paragraph, including the choice of a rescue centre or other place.

(11) Management Authority shall designate the rescue centres for the purpose of this Convention.

(12) Any other work relating to implementation of the Convention and assigned by Government of India.

Scientific Authority :

(1) The export of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant and presentation of an export permit. An export permit shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Scientific Authority has advised that such export will not be detrimental to the survival of that species.

(2) The import of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant and presentation of an import permit and either an export permit or a re-export certificate. An import permit shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Scientific Authority has advised that the import will be for purposes which are not detrimental to the survival of the species involved;
- (b) Scientific Authority is satisfied that the proposed recipient of a living specimen is suitably equipped to house and care for it; and

(3) The introduction from the sea of any specimen of a species included in Appendix I of the Convention shall require the prior grant of a certificate from a Management Authority of the State of introduction. A certificate shall

only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Scientific Authority certifies that the introduction will not be detrimental to the survival of the species involved.

(4) The export of any specimen of a species included in Appendix II of the Convention shall require the prior grant and presentation of an export permit. An export permit shall only be granted when the following conditions have been met :

- (a) Scientific Authority has advised that such export will not be detrimental to the survival of that species;

(5) Scientific Authority in each party (both exporter and importer) shall monitor both the export permits granted by that State for specimens of species included in Appendix II of the Convention and the actual exports of such specimens. Whenever a Scientific Authority determines that the export of specimens of any such species should be limited in order to maintain that species throughout its range at a level consistent with its role in the eco-systems in which it occurs

and well above the level at which that species might become eligible for inclusion in Appendix I of the Convention, the Scientific Authority shall advise the appropriate Management Authority of suitable measures to be taken to limit the grant of export permits for specimens of that species.

(6) The introduction from the sea of any specimen of a species included in Appendix II of the Convention shall require the prior grant of a certificate from a Management Authority of the State of introduction. A certificate shall only be granted when the following conditions have been met :

(a) Scientific Authority has advised that introduction will not be detrimental to the survival of the species involved;

(7) Any other work relating to implementation of the Convention and assigned by the Government of India.

5. The composition of the Management Authority and the Scientific Authority would be as follows :

- | | |
|--------------------------|--|
| 1. Management Authority: | 1. Inspector General of Forests Government of India, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) Krishi Bhawan, New-Delhi. |
| | 2. Director of Wild Life Preservation, Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) Krishi Bhawan, New Delhi. |
| 2. Scientific Authority. | 1. Botanical Survey of India P. O. Botanic Garden, Howrah-711103. |
| | 2. Zoological Survey of India 34, Chittaranjan Avenue, Calcutta. |
| | 3. Central Marine Fisheries Research Institute, Cochin. |

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. SETH, Inspector General of Forests
& ex-officio Addl. Secy.

New Delhi, the 16th August 1976

RESOLUTION

No. 43-157/73-LDT.—The Government of India has been considering ways and means of accelerating the growth of poultry farming. To meet the increasing demand for high producing commercial hybrid chicks a number of private entrepreneurs were permitted to set up franchise hatcheries in collaboration with foreign based poultry breeding farms. These hatcheries import grand parent/parent stocks at regular intervals for production of commercial hybrid chicks.

Subsequently to reduce dependence on recurring imports of such stocks and to achieve self reliance preference was given to the proposals of setting up basic breeding farms within the country through a single import of foundation stocks on out-right purchase basis. Three such organisations are already producing grand parent/parent stocks within the country. Concurrently, steps have also been taken to strengthen the poultry breeding programmes in the public sector organisation.

An All-India Coordinated Poultry Breeding Project has been initiated since Fourth Five-Year Plan by Indian Council of Agricultural Research in collaboration with Agricultural Universities with the aim to develop genetically superior egg laying and meat type strains of chicken. Selective poultry breeding programme was also taken up at the same time in the three Central Poultry Breeding Farms under the administrative and technical control of the Department of Agriculture and several State Governments Farms. As a result of all these programmes, some promising strains have already been developed.

There is, however, the need for continued effort for further genetic improvement of the stocks for meeting the requirement of high producing stocks.

To monitor the performance of the private as well as public sector basic breeding farms, the Government of India have decided to constitute a Standing Committee of Poultry Breeding Experts.

II. Functions of the Committee.

The Committee will be an advisory body and will have the following functions :

- (1) To constantly appraise the performance of egg and meat type basic breeding stocks and the commercial hybrid being developed by the private and public sector poultry breeding organizations.
- (2) To serve as a forum for exchange of information on poultry breeding programmes.
- (3) To lay out guidelines for research and development in the field of poultry breeding for the benefit of poultry breeding organization in the country.
- (4) To advise Government on the importation of poultry stocks.
- (5) To lay down the policy on releasing of tested stocks.
- (6) Any other function assigned to the Committee by the Government of India from time to time.

III. COMPOSITION

The composition of the Committee will be as follows :—

1. Animal Husbandry Commissioner and Ex-Officio Joint Secretary to the Government of India, Department of Agriculture.

Chairman
(Ex-Officio)

2. Project Coordinator, All India Coordinated Poultry Breeding Project I.C.A.R.

Member
(Ex-Officio)

3. One Director, Central Poultry Breeding Farm, Department of Agriculture.

Member
(Ex-Officio)

4. One Poultry breeding expert from basic breeding farms in the private sector.

Member

5. One poultry breeding expert from grand parent importing hatcheries in the private sector.

Member

6. One poultry breeding expert from Agricultural Universities.

Member

7. One poultry breeding expert from States/U. Ts.

Member

8. Joint Commissioner (Poultry), Department of Agriculture.

Member-Secretary
(Ex-Officio)

Members at serial No. 3-7 will be nominated by Government of India for a two-year term in rotation.

ORDER

(1) ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments/Union Territories, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, Agricultural Universities and Private Sector Poultry Breeding Farms/Hatcheries.

(2) ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. S. NARANG, Secy.

New Delhi, the 11th August 1976

No. Fna-20014/2/76-FAIT.—On the expiry of the term of membership of Shri Mohan Singh nominated Vide Notification No. 10-1/73-FAIT dated the 18th/19th May, 1973, Shri Ram Raghunath Chaudhary, M.L.A., Degana, District Nagaur Rajasthan has been nominated on the National FAO Liaison Committee reconstituted under Resolution No. 10-4/74-FAIT dated the 6th August 1975, as representative of Rural Peoples Interests for a period of three years with effect from the date of this Notification.

R. T. THADANI, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 3rd August, 1976

No. F.9-1/76-U.3.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government, on the advice of the Commission, hereby declare that the Gandhigram Rural Institute, Gandhigram, shall be deemed to be a University for the purpose of the aforesaid Act.

ANIL BORDIA, Joint Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 12th August 1976

RESOLUTION

No. ERBI/76/21/86.—The Permanent Negotiating Machinery set up by Government in December, 1951, for dealing with the disputes between railway labour and railway administrations provides that if after discussions between the Railway Board and Railway Labour Federations, agreement is not reached between the two sides on any matters of importance such matters will be referred to an *ad hoc* railway Tribunal consisting of an equal number of representatives of Railway Labour and the Railway Board with a neutral Chairman.

2. The existing classification of jobs of Artisans Staff in technical branches of Workshop and maintenance of all departments and the Standard Trade Tests prescribed and also the need for uniform designations has been engaging the attention of the Government and a review of these has been demanded by organised labour.

3. Accordingly, the Government of India have decided to constitute a Tribunal consisting of Shri N. N. Tandon Retired Member (Mechanical), Railway Board, as the Chairman with two nominees from the organised labour—one each from the National Federation of Indian Railwaymen and the All India Railwaymen's Federation, and two on behalf of the Railways. The Tribunal will be known as the 'Railway Workers Classification Tribunal, 1976.'

4. The following will be the terms of reference of the Tribunal :—

- (a) To review the existing classification of jobs of artisan staff in all technical branches of workshops and maintenance of all departments—Mechanical, Signal & Telecom., Civil Engineering and Electrical and also other sectors where artisans are employed—and make recommendations where necessary for revision of the existing classification of unskilled, semi-skilled, skilled and highly skilled.
- (b) To revise and update the standard trade tests prescribed and to prescribe new trade tests where necessary.
- (c) To recommend uniform designations for such staff, who are doing the same kind of duties on various railways but under different designations.

5. The Tribunal, within the framework of the terms of reference, would be free to devise its own procedure. The Tribunal will complete its work within 6 months of its first sitting.

6. The Tribunal having been set up under an extension of the scheme of Permanent Negotiating Machinery, and as such in conformity with para 3(x) of Railway Board's letter No. E51F EI22 dated 24-12-1951, it would be open to Government to accept, reject or modify the decisions of the Tribunal.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. MOHANTY, Secy., Railway Board
& *ex-officio* Jt. Secy.

New Delhi, the 12th August 1976

RESOLUTION

No. Hindi/73/G-28/2.—In continuation of Ministry of Railways' (Railway Board's) resolution No. Hindi/73/G-28/2 dated 25-7-1974 regarding reconstitution of Railway Hindi Salahkar Samiti, the Govt. of India have decided that on expiry of his term as Member of Parliament Shri Chakrapani Shukla will continue to be a member of the Railway Hindi Salahkar Samiti in an unofficial capacity till the expiry of the present term of samiti.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Sectt. Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha sectts. and all Ministries and Departments of Govt. of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. RAMANATHAN, Jt. Secy.
Railway Board.

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

New Delhi-11, the 6th August 1976

RESOLUTION

No. 1/(43)/76-RLW.—The Government of India have decided to nominate in place of the Joint Secretary, Ministry of Finance, the Financial Adviser, Department of Rehabilitation, as *ex-officio* Member of the Chhamb Displaced Persons Rehabilitation Authority, set up under the Government of India, Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) Resolution No. 1/56/73-RLW dated 1st March, 1974.

2. The Financial Adviser, Department of Rehabilitation will have the same functions in the Chhamb Displaced Persons Rehabilitation Authority which were earlier performed by the Joint Secretary, Ministry of Finance.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Chairman and Members of the Chhamb Displaced Persons Rehabilitation Authority.
2. The Chief Secretary, Jammu and Kashmir, Srinagar.
3. Shri U. Vaidyanathan, Financial Adviser, Department of Rehabilitation, New Delhi;
4. Secretary, Ministry of Finance (Expenditure Division), New Delhi;
5. PS to M(R)/DM(R)/Secretary.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. V. SUNDARA RAMAN, Jt. Secy.

